उत्तर प्रदेश चुनाव के अंतिम चरण से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार आधी रात अचानक वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचे और वहां का निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने यहां एक रोड शो किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 83 दिनांक: 06-03-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रवींद्र जडेजा ने तोड़ दिया कपिल देव का रिकार्ड, टेस्ट में 7वें नंबर पर भारत के लिए खेली सबसे बड़ी पारी

कीव सहित बाकी शहरों में भीषण हिंसा जारी, युद्धग्रस्त क्षेत्रों से पलायन, 13 लाख लोगों ने यूक्रेन छोड़ा

कीव । युद्ध के दसवें दिन शनिवार को यूक्रेन के दो शहरों में फंसे नागरिकों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए रूस ने संघर्षविराम कर दिया। मास्को में रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, मारीपोल और वोल्नोवाख में फंसे लोगों को निकलने के लिए फायरिंग रोकी गई है। लेकिन यूक्रेन ने आरोप लगाया है कि रूस की ओर से फायरिंग नहीं रुकी है, इसलिए लोगों को निकालने का काम रोक दिया गया है। इन दोनों शहरों के अतिरिक्त यूक्रेन के बाकी शहरों पर रूस के भीषण हमले जारी हैं। इन हमलों में जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है। एक हजार से ज्यादा भारतीय विद्यार्थी भी इन शहरों में फंसे हुए हैं। इन विद्यार्थियों के संदेश आ रहे हैं कि यूक्रेन की सेना उन्हें ढाल बनाकर रूसी सैनिकों से लड़ रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने बयान में इस बात की पुष्टि की है। शनिवार को रूस ने फेसबुक के बाद ट्विटर पर भी रोक लगा दी। रूसी सरकार का आरोप है कि दोनों साइट उसके खिलाफ दुष्प्रचार कर रही हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में शहरों में फंसे नागरिकों को सुरक्षित रास्ता देने की बनी सहमति के बाद शनिवार को मारीपोल और वोल्नोवाख में फायरिंग रोककर सेफ कारिडोर बनाया गया। कुछ घंटे सब कुछ ठीक चला लेकिन उसके बाद मारीपोल में प्रशासन ने नागरिकों को घर में रहने का निर्देश दिया। कहा कि रूसी सैनिक संघर्षविराम का उल्लंघन कर फायरिंग कर रहे हैं, इसलिए खतरा उठाना ठीक नहीं। यूक्रेन ने अब रेडक्रास और पर्यवेक्षकों की देखरेख में नागरिकों को निकालने का काम शुरू करने की बात कही है।

जबकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन के तथाकथित राष्ट्रवादियों के हथियारबंद दस्ते नागरिकों को शहरों से निकलने नहीं दे रहे। वे नागरिकों को ढाल बनाकर रूसी सेना से लड़ना चाहते हैं और जिससे नागरिकों के हताहत होने पर रूस को बदनाम करने का मौका मिले। जिन दो शहरों में संघर्षविराम घोषित किया गया है, वे पूर्वी यूक्रेन का हिस्सा हैं और क्रीमिया के नजदीक हैं। दोनों शहरों पर हाल के दिनों में भीषण रूसी हमले हुए थे जिसके चलते वहां के लोग अब घर छोड़कर जाना चाहते हैं। राजधानी कीव, खार्कीव और कई अन्य शहरों को घेरकर रूसी सेना हफ्ते भर से हमले कर रही है। इस घेराबंदी से शहरों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रुक गई है और वहां के लोग परेशान हो गए हैं।

मानवाधिकार संगठनों ने यूक्रेन में गंभीर मानवीय संकट पैदा होने की आशंका जताई है। इस बीच देश से बाहर जाने वालों की संख्या बढ़कर 13 लाख हो गई है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। राजधानी कीव, खार्कीव, चार्निहीव, ओडेसा आदि पर रूसी सेना के हमले जारी हैं। इन शहरों में हवाई हमलों का खतरा जताने वाले सायरन रात-दिन बज रहे हैं। यूक्रेनी सेना के लिए इन शहरों पर कब्जा बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। सूमी में रूसी सेना के प्रविष्ट होने की खबर है, वहां की सड़कों पर लड़ाई शुरू हो गई है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन को हथियार मुक्त किए बगैर रूसी हमले नहीं रुकेंगे। नौ दिनों में यूक्रेन के ज्यादातर सैन्य ठिकाने नष्ट कर दिए गए हैं। अब शहरों में छिटपुट लड़ाई हो रही है। रूसी सेना आबादी को बचाते हुए हमले कर रही है जबकि यूक्रेनी सेना और उसके साथ लड़ रहे हथियारबंद लोग उन्हें ढाल बना रहे हैं। पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन पर कार्रवाई का फैसला मुश्किल था। हम उसे तटस्थ भूमिका में देखना चाहते हैं।

यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनीकोव ने बताया है कि विदेश में रह रहे 66,224 यूक्रेनी लोग देश में आकर रूसी सेना से लड़ रहे हैं। ये लोग 12 ब्रिगेड बनाकर रूसी सेना से लड़ रहे हैं। यूक्रेनी रक्षा मंत्री ने कहा, रूसी सेना के सैनिक और अधिकारी हतोत्साहित हैं। इसी के चलते वे लगातार आत्मसमर्पण कर रहे हैं, युद्ध के मैदान से हथियार छोड़कर भाग रहे हैं। अभी तक की लड़ाई में रूस के 39 लड़ाकू विमान और 40 हेलीकाप्टर गिराए जा चुके हैं। जबकि रूस ने कहा है कि यूक्रेन के 82 विमान, 708 सैन्य वाहन, 74 राकेट लांचर और 56 ड्रोन नष्ट किए गए हैं।

रूस ने विदेशी एंटी टैंक मिसाइल से भरे यूक्रेन के गोदाम को नष्ट किया

-इससे पहले, रूस ने घोषणा की थी कि सेना ने विदेशी हथियार जब्त किए

कीव(ईएमएस)। रूस ने घोषणा की है कि एक उच्च-सटीक हथियार हमले ने यूक्रेन के जाइटोमीर शहर में जेवलिन और एनएलएडब्ल्यू मिसाइल सिस्टम से भरे एक गोदाम को नष्ट कर दिया। आरटी न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी। आरटी ने रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता मेजर जनरल इगोर कोनाशेनकोव के हवाले से कहा, पिछले 24 घंटों में, जाइटोमीर की सैन्य इकाई के क्षेत्र में एक गोला बारूद डिपो, जहां जेवलिन और एनएलएडब्ल्यू एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम संग्रहीत किए गए थे, लंबी दूरी के सटीक हथियारों के हमले से नष्ट हो गए हैं। इससे पहले, रूस ने घोषणा की थी कि सेना ने लड़ाई के दौरान अमेरिकी जेवलिन एंटी टैंक सिस्टम और ब्रिटिश एनएलएडब्ल्यू सहित बहुत सारे विदेशी कब्जे वाले हथियारों को जब्त कर लिया।

मंत्रालय ने कहा कि वह शनिवार को अपना आक्रमण रोक रहा है, ताकि निवासी आजोव समुद्री बंदरगाह शहर मारियुपोल को छोड़ सकें। एक अन्य मानवीय गलियारा पास के शहर वोल्नोवाखा के लिए स्थापित किया गया है, जिसे यूक्रेनियन द्वारा ही नियंत्रित किया जा रहा है। आरटी की रिपोर्ट के अनुसार, मॉस्को ने कहा कि यूक्रेन के साथ सुरक्षित मार्ग पर सहमति बनी है। रूस और यूक्रेनियन पदाधिकारी गुरुवार को बेलारूस में शांति वार्ता के दूसरे दौर के लिए मिले थे। मारियुपोल के मेयर वादिम बाइचेंको ने कहा कि युद्धविराम बिजली और पानी की आपूर्ति की बहाली के साथ-साथ सेल फोन सेवा पर काम शुरू करने की अनुमति देगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी भोजन और प्राथमिक चिकित्सा किट देने की भी कोशिश करेंगे। यूक्रेन की वार्ता टीम के एक सदस्य मिखाइल पोडोलीक ने पहले पुष्टि की थी कि दोनों पक्षों ने नागरिकों को निकालने के लिए अस्थायी रूप से शत्रुता को समाप्त करने की संभावना के बारे में बात की है।

10वें दिन यूक्रेन का दावा, अब तक रूस के 10 हजार सैनिक ढेर

-यूक्रेन ने रूस के 269 टैंकों को तबाह करने का भी दावा किया

-रूसी सेना शनिवार से यूक्रेन के दो शहरों में सीजफायर पर सहमत हुई

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन और रूस के बीच 10 दिन से युद्ध जारी है। इसी बीच यूक्रेन ने दावा किया है कि उनकी सेना ने अभी तक रूस के 10,000 सैनिकों को ढेर किया है। हालांकि यूक्रेन ने यह जानकारी नहीं दी कि उनके कितने सैनिक हताहत हुए हैं। इसके साथ ही यूक्रेन ने रूस के 269 टैंकों को तबाह करने का भी दावा किया है। यूक्रेनी मीडिया ने बताया कि यूक्रेन की सेना ने अभी तक 10,000 रूसी सेना को ढेर किया है। इसके अलावा 39 प्लेन, 40 हेलीकॉप्टर, 2 जंगी जहाज, 269 टैंक, 60 फ्यूल टैंक, 409 कार, 3 यूएवी इत्यादि को तबाह किया है।

रूसी सेना शनिवार से यूक्रेन के दो शहरों में सीजफायर पर सहमत हो गई है, ताकि वहां फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा सके। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसियों ने रूसी रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के हवाले से बताया कि मॉस्को यूक्रेनी बलों के साथ कुछ निकासी मार्गों पर सीजफायर के लिए सहमत हो गया है, ताकि नागरिकों को दक्षिण-पूर्व में रणनीतिक लिहाज से अहम बंदरगाह शहर मारियुपोल और पूर्वी शहर वोल्नोवाखा से सुरक्षित निकालने में मदद मिल सके। हालांकि, यूक्रेनी सेना की तरफ से अभी सीजफायर की कोई पुष्टि नहीं की गई है और फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं है कि निकासी मार्ग कब तक खुले रहेंगे।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध आज 10वें दिन जारी है। रूस की सेना ने कई शहरों की घेराबंदी कर खेरसन सहित कई शहरों पर कब्जा कर लिया है। रूस ने जपोरिजिया में परमाणु संयंत्र पर हमला कर इसका नियंत्रण अपने पास ले लिया है। यहीं से यूक्रेन को बड़ी मात्रा में ऊर्जा सप्लाई होती था। हमले में कई लोगों की जान भी चली गई। उधर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में रूस के खिलाफ जांच कराने के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने पर राय जानने के लिए वोटिंग की, जिसमें भारत और चीन ने दूरी बना ली। इससे पहले भी भारत ने इस संबंध में कोई वोट नहीं किया है। वहीं रूस ने कथित 'फेकन्यूज' को लेकर नया कानून बनाया है जिसके बाद फेसबुक और ट्विटर पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं सीएनएन, बीबीसी को भी रिपोर्टिंग रोकनी पड़ी है।

पंजाब चुनाव परिणाम से पहले बढ़ी नवजोत सिंह सिद्धू की मुश्किलें,

लुधियाना। बहन सुमन तूर द्वारा लगाए गए आरोपों से पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू परेशानी में घिर सकते हैं। सुमन तूर ने प्रापर्टी विवाद में भाई नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग को शिकायत दी थी। इसके बाद आयोग की तरफ से लुधियाना डिप्टी कमिश्नर आफ पुलिस को पंद्रह दिन में कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

सिद्धू की बहन सुमन तूर विदेश में रहती हैं और उनकी तरफ से दी गई शिकायत में लुधियाना के पक्खोवाल रोड का एड्रेस दिया गया है। इस कारण यहां से डीसीपी को जांच के लिए लिखा गया है। इससे पहले भी सुमन तूर चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता कर आरोप लगा चुकी हैं कि नवजोत सिंह सिद्धू ने उन्हें घर से निकाल दिया था। इसके बाद अब जब चुनाव हो चुके हैं और मतगणना कुछ ही दिनों में होने वाली है यह शिकायत व जांच नवजोत सिंह सिद्धू के लिए समस्या पैदा कर सकती है। अभी इस पर किसी भी अधिकारी ने बोलने से मना कर दिया है।

सुमन तूर की तरफ से चंडीगढ़ में पत्रकार वार्ता कर नवजोत सिंह सिद्धू पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद वह विरोधी पार्टियों के नेताओं के निशाने पर भी आ गए थे और उनसे इस संबंधी सवाल पूछे जाने लगे थे। इस पर नवजोत सिंह सिद्धू ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, मगर उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने कहा था कि चुनाव के समय इस तरह के रिश्तेदार सामने आते हैं और उनकी तरफ से सभी आरोपों से मना कर दिया था।

मणिपुर में दूसरे और अंतिम चरण में शाम पांच बजे तक 78.03 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया

इम्फाल (ईएमएस)। चुनाव आयोग के मुताबिक मणिपुर में दूसरे और अंतिम चरण में शाम पांच बजे तक 78.03 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है।

पुलिस ने बताया कि सेनापति जिले के करोंग विधानसभा क्षेत्र के नगामजू मतदान केंद्र पर तैनात सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर दो लोगों पर गोलियां चलाईं, जिससे कुछ स्थानों पर हिंसा के कारण मतदान प्रभावित हुआ। बीजेपी उम्मीदवार के चुनाव एजेंट ने मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी के पास दर्ज शिकायत दर्ज कराकर घटना की मजिस्ट्रेट जांच की मांग की।

निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगामजू मतदान केंद्र पर मतदान रोक दिया गया। पुलिस ने कहा कि दूसरे चरण का मतदान शुरू होने से कुछ घंटे पहले मणिपुर के कुछ स्थानों पर हिंसा भी भड़क उठी, क्योंकि कांग्रेस के एक कार्यकर्ता ने कथित तौर पर बीजेपी समर्थक को गोली मार दी, जबकि बीजेपी के एक निष्कासित नेता के आवास के बाहर देसी बम फटने की घटना भी सामने आई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि 25 वर्षीय एल। अमुबा सिंह ने शनिवार तड़के गोली लगने के बाद एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने कहा कि इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल इलाके में शुक्रवार रात अज्ञात बदमाशों ने बीजेपी से निष्कासित नेता सीएच बिजॉय के आवास पर एक देसी बम फेंका। उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहन पर आए दो नकाबपोश व्यक्तियों द्वारा किए गए विस्फोट में कोई घायल नहीं हुआ।

शुरुआती मतदाताओं में कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री ओ। इबोबी सिंह ने थौबल जिले में अपना वोट डाला। मतदान करने के बाद इबोबी सिंह ने कहा, ठकांग्रेस निश्चित रूप से पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी, लेकिन अगर हमें बहुमत के लिए आवश्यक सीटों से एक या दो सीटें कम मिलती हैं, तो पार्टी गठबंधन के लिए तैयार है।ठ

अंतिम चरण में 22 सीटों पर कुल 92 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी के 12, कांग्रेस के 18, नेशनल पीपुल्स पार्टी के 11, जनता दल यूनाइटेड और नगा पीपुल्स फ्रंट के दस-दस उम्मीदवार शामिल हैं।

राफेल ने सटीक निशाने लगाकर तबाह किए दुश्मन के ठिकाने, 148 विमानों की गरज से गूंजा आसमान

-जैसलमेर की चांधन फील्ड फायरिंग रेंज में 'वायु शक्ति- 2022' की फुल ड्रेस रिहर्सल

जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान के जैसलमेर की चांधन फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार को 'वायु शक्ति- 2022' की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई। इस रिहर्सल में फाइटर राफेल ने देखने वालों को हिलाकर रख दिया। उसके आने के अंदाज, सुपरसोनिक बूम और करतब देख सभी चौंक गए। 'वायु शक्ति- 2022' की एक्सरसाइज में राफेल ने पहली बार हिस्सा लिया। इस रिहर्सल में राफेल के साथ-साथ मिग-29, मिग-21, तेजस, जगुआर और सुखोई भी शामिल थे।

'वायु शक्ति- 2022' की रिहर्सल में इन विमानों से रण बांकुरों ने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक निशाने लगाकर उन्हें तबाह कर दिया। इस दौरान करीब 148 विमानों ने हिस्सा लिया। वायुसेना 7 मार्च को अपनी शक्ति दिखाएगी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति के आने की संभावना है। बता दें, पहली बार 'वायु शक्ति- 2022' में हिस्सा ले रहा राफेल सभी के आकर्षण का केंद्र होगा। राफेल की गन एक मिनट में 2500 फायर करती है। राफेल का रडार सिस्टम 100 किलोमीटर के दायरे में एक बार में एक साथ 40 टारगेट पहचान सकता है।

गौरतलब है कि राफेल फाइटर प्लेन करीब 24,500 किलो तक का भार उठा सकता है। ये 60 घंटे अतिरिक्त उड़ान भी भरता है। रिहर्सल में राफेल में लगी मिसाइल ने दुश्मन पर सटीक निशाना लगाया और उसे तबाह कर दिया। इस दौरान उसने हवा से जमीन और हवा से हवा में हमला किया। इस दौरान हवा में उसकी सुखोई विमान के साथ जुगलबंदी देखने लायक थी। इस जुगलबंदी को जिसने भी देखा, वह हैरान रह गया। इस दौरान 17 विमानों के साथ आसमान में 75 का शेप बनाकर प्रदर्शन किया गया।

वायु शक्ति की फुल ड्रेस रिहर्सल में वायुसेना के 148 विमानों ने हिस्सा लिया। राफेल के साथ-साथ मिग-29, मिग-21, तेजस, जगुआर और सुखोई भी शामिल थे। सभी ने भारत के अलग-अलग एयर बेस से उड़ान भरी और रिहर्सल में बनाए गए दुश्मनों के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाया। चिनूक, अपाचे, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर, एमआई 35 एमआई 17 हरक्युलिस ने भी अपनी-अपनी भूमिका बखूबी निभाई। इस दौरान स्पाइडर और आकाश मिसाइल की क्षमता का प्रदर्शन भी किया गया। होवित्जर तोप से भी सटीक निशाना लगाया गया।

भारतीय अब अमेरिका के गंभीर दबाव में हैं, यह एक गलत और बेकार तरीका है - रूसी राजदूत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि मॉस्को ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में इसके प्रभाव का स्वागत किया है।

भारत के साथ संबंधों पर बात करते हुए, अलीपोव ने कहा, ठप्रधान मंत्री और भारतीय नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय मामलों में राज्य की लगातार स्वतंत्र नीति को पूरा करते हैं। हमने बार-बार कहा है कि हमने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का स्वागत किया है और इसकी भूमिका को मजबूत किया है। हमने भारत पर कभी कोई दबाव नहीं डाला और कोई शर्त नहीं रखी। भारतीय अब संयुक्त राज्य अमेरिका के गंभीर दबाव में हैं। मुझे लगता है कि यह एक गलत और बेकार तरीका है। ठ

रूसी दूत ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चल रहे भारतीय विदेश नीति के रुख की सराहना की। भारत-रूस संबंधों पर टिप्पणी करते हुए, अलीपोव कहते हैं, ठभारत के हित पहले स्थान पर हैं। दोनों देशों के हित रणनीतिक प्रकृति के हैं। हमारे संबंध दो देशों के हित में विकसित हो रहे हैंठ

यूक्रेन में फंसे भारतीयों की वहां से निकासी के मुद्दे पर भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि रूस ने सैंकड़ों बसें उपलब्ध कराई हैं और भारतीयों को बाहर निकलने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा है कि जिन क्षेत्रों में भारतीय है उनमें लड़ाई के कारण रूसी समूह पहुंच नहीं पा रहे हैं।

डेनिस अलीपोव ने कहा, ''सवाल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का है क्योंकि रूसी पक्ष की इन क्षेत्रों तक पहुंच नहीं है। हमारी बसें इन जगहों के करीब हैं लेकिन वहां नहीं हैं। हमें भारतीयों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करनी होगी।''

रूस के राजदूत ने मीडिया से कहा, ''पूर्वोत्तर यूक्रेन में भारतीयों पर फोकस है। हमारे विशेष समूह जो भारतीयों को रूसी इलाके में ले जाएंगे, उन क्षेत्रों में लड़ाई के कारण भारतीयों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं; उन्हें वहां से लाने का कोई उपाय नहीं है। उन जगहों पर मिलना होगा जिन पर हमला नहीं हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इस मुद्दे से निपटने और रूसी पक्ष के साथ कार्रवाई का समन्वय करने के लिए भारतीय दूतावास से राजनयिकों के एक समूह को बेलगॉरॉड भेजा गया है। डेनिस अलीपोव ने कहा कि यूक्रेन-रूस संकट का रूस-भारत संबंधों सहित पूरी दुनिया पर प्रभाव पड़ेगा, यह किस हद तक परिलक्षित होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता।

इससे पहले रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने आरोप लगाया कि यूक्रेन की सेना ने रूस को विदेशी छात्रों को खार्कोव/खारकीव से निकालने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि रूसी सेना खार्कोव से विदेशी छात्रों को निकालने में मदद करने के लिए तैयार थी, लेकिन यूक्रेनी पक्ष ने ऐसा करने से रोक दिया था।

10 से 12 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। कई रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा समय में कच्चे तेल के दाम के हिसाब से पेट्रोल-डीजल का रेट तय किया जाता है तो 10 से 12 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने रिपोर्ट में कहा कि दो महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ने से खुदरा तेल कंपनियों को लागत निकालने के लिए 16 मार्च 2022 या उससे पहले ईंधन की कीमतों में 12।1 प्रति लीटर की वृद्धि करनी होगी। तेल कंपनियों के मार्जिन को भी जोड़ लें, तो 15।1 रुपये प्रति लीटर की मूल्य बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत गुरुवार को 120 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई थी, जो बीते नौ वर्षों में सबसे ज्यादा है।

हालांकि शुक्रवार को इसकी कीमत थोड़ी घटकर 111 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। उल्लेखनीय है कि कच्चे तेल की कीमत में उछाल को रूस-यूक्रेन युद्ध से जोड़कर देखा जा रहा है। रूस पर लगे आर्थिक प्रतिबंधों से वैश्विक तेल आपूर्ति में और रुकावट आने की संभावना है। जबकि ईरान, वेनेजुएला जैसे देश पहले ही प्रतिबंधों के कारण पर्याप्त तेल आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं।

स्टेशन पर रुकते ही धू-धू कर जल उठी यात्रियों से भरी पैसेंजर ट्रेन की तीन बोगियां, अफरा-तफरी में कई लोग घायल

मेरठ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक बड़ा हादसा टल गया। सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन सुबह-सुबह दौराला रेलवे स्टेशन पहुंची तो ट्रेन के 3 डिब्बों से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। धुएं के गुबार से पूरा स्टेशन ढक गया। आग की लपटें लगातार बढ़ती जा रही थीं। ट्रेन में आग लगने की खबर से वहां चीख-पुकार मच गई।

ट्रेन के डिब्बों से निकलने की हड़बड़ी में कई यात्री घायल हो गए। गनीमत यह रही कि आग की चपेट में कोई यात्री नहीं आया और बड़ा हादसा टल गया। दौराला रेलवे स्टेशन पर दिल्ली-सहारनपुर पैसेंजर ट्रेन में आग लगने की घटना शनिवार सुबह की है। पैसेंजर ट्रेन यात्रियों से भरी थी। ट्रेन जैसे ही दौराला स्टेशन पर रुकी, वैसे ही 3 डिब्बों से आग की लपटें दिखाई दीं। आनन-फानन में यात्री ट्रेन से उतरने लगे।

इस दौरान भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। भगदड़ के दौरान कई यात्री गिर पड़े और उन्हें गहरी चोट आई।

इसी अफरा-तफरी के बीच फायर ब्रिगेड को ट्रेन में आग लगने की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया। घायल यात्रियों को एंबुलेंस से स्थानीय अस्पताल भेजा गया है। पुलिस और रेलवे विभाग के कई आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अब तक आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है।

बता दें कि सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन से हजारों यात्री रोजाना सफर करते हैं। यह ट्रेन पश्चिम उत्तर प्रदेश को देश की राजधानी से जोड़ने वाली अहम ट्रेन है। रोजाना नौकरी पर जाने वाले हजारों लोग इस ट्रेन से दिल्ली पहुंचते हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रेन के डिब्बों में आग लगी।

रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने समाजवादी पार्टी का दामन थामा

आजमगढ़ (ईएमएस)। भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा, ठभारतीय जनता पार्टी की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी आज समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।ठ

इससे पहले जनवरी में रीता बहुगुणा जोशी ने लखनऊ छावनी सीट से यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में अपने बेटे के लिए भाजपा से टिकट मांगा था। रीता बहुगुणा जोशी ने यह भी कहा था कि अगर उनके बेटे को लखनऊ कैंट सीट से टिकट नहीं मिला तो वह अपनी लोकसभा सदस्यता छोड़ देंगी। लेकिन जब उनके बेटे को टिकट नहीं दिया गया तो उन्होंने कहा कि वह ठपार्टी के फैसले का सम्मान करती हैं।

रीता बहुगुणा जोशी ने 2017 का चुनाव लड़ा था और लखनऊ छावनी से तत्कालीन सपा उम्मीदवार अपर्णा यादव को हराया था।

अपनी गाड़ी का टैंक फुल करवा लेना क्योंकि मोदी सरकार का 'चुनावी ऑफर' खत्म होने जा रहा है - राहुल

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि जनता को अपनी गाड़ी का टैंक फुल करवा लेना चाहिए,क्योंकि मोदी सरकार का 'चुनावी ऑफर' खत्म होने जा रहा है। राहुल ने एक ट्वीट के माध्यम से सरकार पर यह कटाक्ष किया।

कांग्रेस का दावा है कि उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की वजह से पिछले कुछ सप्ताह से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं और चुनाव पूरे होने के बाद इसमें बढ़ोतरी होगी।

रूस भारतीय विद्यार्थियों और अन्य विदेशी नागरिकों को युद्धग्रस्त यूक्रेन से निकालने को तैयार : नेबेनजिया

मुंबई (ईएमएस)। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सूचित किया कि पूर्वी यूक्रेन के खारकीव और सुमी शहरों में उसकी सैन्य कार्रवाई की वजह से फंसे भारतीय विद्यार्थियों और अन्य विदेशियों को निकालने के लिए उसकी बसें सीमा पर तैयार खडी हैं। यूक्रेन के जापोरिजिया स्थित यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के बाद अल्बानिया, फ्रांस, आयरलैंड, नार्वे, ब्रिटेन और अमेरिका की मांग पर शुक्रवार को सुरक्ष परिषद की आपात बैठक बुलाई गई।

बैठक में रूस के स्थाई प्रतिनिधि और संयुक्त राष्ट्र में राजदूत वैसली नेबेनजिया ने कहा रूसी सैनिकयूक्रेन में फंसे विदेशी नागरिकों की शांतिपूर्ण तरीके से निकासी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेनी राष्ट्रवादियों ने जबरन पूर्वी यूक्रेन के खारकीव और सुमी शहरों में 3700 भारतीय विद्यार्थियों को रखा है। नेबेनजिया ने कहा, आतंकवादी आम लोगों को शहर छोड़ने नहीं दे रहे हैं। इसका असर यूक्रेन के लोगों पर ही नहीं बल्कि विदेशियों पर भी पड़ रहा है।

कई विदेशियों को यूक्रेनी नागरिकों द्वारा जबरन रखना स्तब्ध करने वाला है। खारकीव में 3,189 भारतीय, 2700 वियतनामी और, 202 चीनी नागरिक मौजूद हैं। इसी प्रकार सुमी में 507 भारतीय, 101 घाना के नागरिक और 121 चीन के नागरिक हैं। उन्होंने कहा रूस के बेलगोरोद इलाके में 130 आरामदायक बसें शनिवार को सुबह छह बजे से ही नेखोतीवका' और 'सुदजा' सीमा चौकी पर खारकीव और सुमी जाने और भारतीय विद्यार्थियों एवं अन्य विदेशियों को निकालने के लिए खड़ी हैं।

रूसी राजदूत ने बताया जांच चौक पर अस्थाई निवास, आराम करने की सुविधा और गर्म खाने की व्यवस्था की गई। साथ ही दवाओं के साथ एक सचल चिकित्सा केंद्र भी स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा, निकाले गए सभी लोगों को बेलगोरोदले जाया जाएगा और वहां से उनके देशों को भेजा जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों को यूक्रेन में बंधक बनाने की खबरों पर नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत के किसी विद्यार्थी को बंधक बनाए जाने की खबर नहीं मिली है।

यूक्रेन की महिला ने पीएम मोदी से लगाई गुहार, बोली- मेरे देश को बचा लीजिए

श्रीनगर (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले का 10वां दिन है और जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच एक कश्मीरी व्यक्ति से शादी करने वाली यूक्रेन की ओलीज़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार से अपील की है कि वह उनके देश में चल रहे रूसी सैन्य अभियानों के बीच यूक्रेन की हर संभव मदद करें। ओलीजा अब पुलवामा जिले के त्राल इलाके में रहती है। उसने कहा, ठमुझे बहुत दुख हो रहा है। मेरा दिल रोता है क्योंकि मेरा परिवार वहां है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार से कहना चाहती हूं कि किसी भी तरह से यूक्रेनियन की मदद करने की कोशिश करें। रास्ता संभव है। वे शांतिपूर्ण लोग हैं।ठउन्होंने कहा, ठआज हमारा देश लोकतंत्र और शांति के लिए लड़ रहा है। उनके दिल में आजादी है और वे रूस को हमारे घरों में नहीं आने देंगे।ठ

मास्को द्वारा यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों (डोनेट्स्क और लुहान्स्क) को स्वतंत्र संस्थाओं के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद रूसी सेना ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया। इस बीच विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने शनिवार को जानकारी दी कि यूक्रेन से अब तक 11,000 से अधिक भारतीयों को निकाला गया है। सरकार ने भारतीय नागरिकों की निकासी प्रक्रिया में समन्वय और निगरानी के लिए यूक्रेन की सीमा से लगे चार पड़ोसी देशों में 'विशेष दूत' भी तैनात किए हैं।

यूक्रेन के खारकीव में घमासान जारी, रूस में माइक्रोसॉफ्ट भी लगाएगा पाबंदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच घमासान जारी है। रूस की सेना ने कई शहरों को घेर रखा है और खेरसन समेत कई शहरों पर कब्जा कर लिया है। शुक्रवार को रूस ने जपोरिजिया में परमाणु संयंत्र पर भी हमला कर दिया। अब इसका नियंत्रण रूस के पास है। यहीं से यूक्रेन को बड़ी मात्रा में ऊर्जा सप्लाई होती था। हमले में कई लोगों की जान भी चली गई। उधर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में रूस के खिलाफ जांच कराने के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने पर राय जानने के लिए वोटिंग कराई गई जिसमें भारत और चीन ने दूरी बना ली। इससे पहले भी भारत ने इस संबंध में कोई वोट नहीं किया है। वहीं रूस ने कथित 'फेकन्यूज' को लेकर नया कानून बनाया है जिसके बाद फेसबुक और ट्विटर पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया

जन हितैषी

प्रदूषण से मौत

सेंटर फार साइंस ऐंड एनवायरनमेंट यानी सीएसई की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, बीते बीस सालों में हवा में सूक्ष्म कणों यानी पीएम 2.5 में तेज बढ़ोतरी की वजह से होने वाली मौतों की तादाद कम से कम ढाई गुना बढ़ गई है। 'भारत की पर्यावरण रिपोर्ट' में यह बताया गया है कि दुनिया भर में वायु प्रदूषण के कारण पिछले दो दशक में साठ लाख से ज्यादा से लोगों की जान गई। अकेले भारत में इस अवधि में 10.67 लाख लोग दुनिया से चले गए। विचित्र यह है कि युद्ध या अन्य प्रत्यक्ष कारणों से होने वाली मौतों की संख्या से तो दुनिया भर में परेशानी महसूस की जाती है, लेकिन प्रदूषण के चलते इतनी बड़ी तादाद में लोगों की जान चली जाती है और यह कोई ऐसी चिंता पैदा नहीं कर पा रही है, जिसके तत्काल समाधान की जरूरत महसूस की जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में वायु प्रदूषण के जोखिम से जुड़े स्वास्थ्य प्रभावों से जीवन के पहले महीने में वैश्विक स्तर पर 4 लाख 76 हजार शिशुओं की मौत हो गई। इनमें से भारत में एक लाख सोलह हजार बच्चों की जान गई। जाहिर है, प्रदूषण की वजह से होने वाली मौतों के आंकड़े भयावह हैं। इस समस्या की चपेट में आकर जान गंवाने वाले ज्यादातर लोगों की जान बचाई जा सकती थी, अगर समय रहते आबोहवा के जानलेवा स्तर पर पहुंचने से रोकने के लिए दुनिया भर में उचित उपाय किए जाते। लेकिन सच यह है कि पिछले कई दशकों से विश्व भर में इस मसले पर लगातार आयोजनों और सम्मेलनों के बावजूद प्रदूषण के असर की तस्वीर और बिगड़ती गई है। सवाल है कि इतने लंबे समय से वायु प्रदूषण के इस पहलू और कारक के एक जगजाहिर समस्या होने और इसके बारे में सब कुछ ज्ञात होने के बावजूद इसकी रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाया जा सका! जबकि आए दिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण की बिगड़ती हालत और उसके समाधान को लेकर व्यापक पैमाने पर चिंता जताई जाती है। आखिर वे कौन-से कारण हैं कि कार्बन उत्सर्जन पैदा करने वाले धनी और विकसित देश हर मौके पर इस मसले पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं और समस्या की गंभीरता का ठीकरा अविकसित या विकासशील तीसरी दुनिया के देशों पर फोड़ देते हैं?

''वैवाहिक वर्षगाँठ का संवाद''

(लघुकथा)आज वही दिन है जिसमें राधा और केशव परिणय बंधन में बंधे थे। जिंदगी कितने सारे परिवर्तनों की यात्रा से गुजरती रहती है। हर वैवाहिक वर्षगाँठ को मनाने का तरीका अलग-अलग था, पर आज केशव राधा से आने वाले जीवन को लेकर संवाद करना चाहता था। केशव राधा से बोला की आगे हम दोनों को एक लंबा सफर तय करना है। भूतकाल में हम दोनों ही अलग-अलग परिवेश और परिस्थितियों से गुजरे है। आने वाले समय में इस विवाह बंधन का उद्देश्य एक दूसरे के गुणों को जानकार उसके अनुरूप आगे बढ़ने को प्रेरित करना है और कमियों को जानते हुए डगमगाते हुए कदमों को सहयोग देना है। आगे की यात्रा में बहुत सारे परिवर्तन शामिल है। अब हमारा पुत्र कान्हा भी हमारी जिंदगी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अब हमें ज़िम्मेदारी की धुरी पर नाच नाचना होगा। हो सकता है उसमे मेरा तुम्हारे प्रति समय कुछ न्यून हो जाए तो तुम्हें इस सत्य को भी समय के साथ स्वीकार करना होगा, क्योंकि अब कान्हा के आने के बाद माता-पिता का जन्म हो चुका है और उन्हें भी बहुत संघर्ष और धैर्य वाली तपस्या करनी है। अब आगे की यात्रा में हम दोनों को एक दूसरे को समझने का ही प्रयास करना होगा, परखने का नहीं क्योंकि अब समय की कसौटी हमको अपनी जिम्मेदारियों की ओर ढकेल रही है।

जैसे-जैसे समय का रथ आगे बढ़ेगा शारीरिक अस्वस्थता भी हम पर हावी होने लगेगी। यह सफर जो प्रेम और आकर्षण से प्रारम्भ हुआ था जिसमें साज-श्रंगार, हर्ष-उल्लास और भरपूर समय था अब वह अपनी आभा थोड़ी-थोड़ी कम करने लगेगा। अब वह प्रेम एक दूसरे की आँखों में बसे करुणा के भाव को समझने की ओर अग्रसर होगा। जैसे-जैसे ज़िम्मेदारी की बागडोर बढ़ती जाएगी शायद संवाद में कुछ कमी आने लगे। एक दूसरे के मन के अनुरूप क्रियाकलाप न हो, पर जीवन के रथ से मुस्कान का ईंधन कभी खत्म मत होने देना। भावी जीवन में हो सकता है रूठना और मनाना गौण हो जाए और उसकी जगह ज़िम्मेदारी और थकान ले ले, तब भी तुम्हें मुझे समझना होगा। बदलते समय में तुमको शरीर से ज्यादा मन की सुंदरता पर ध्यान देना है। तुम्हें कभी भी दूसरों की टीका-टिप्पणी से स्वयं को किसी भी सुंदरता के तराजू में नहीं तौलना है। अगर हम दोनों के जीवन में प्रेम महत्वपूर्ण है तो उसका कोई भी आंकलन नहीं है। प्रेम में तो सब कुछ देने वाली अभिव्यक्ति की प्रधानता होती है। मैं तभी धनवान रहूँगा जब तुम्हारे चेहरे पर स्वर्ण सी आभा, चाँदी सी मीठी मुस्कान और हीरे जैसी दृढ़ता समाहित होगी। उम्र बढ़ने पर अपने शौक मत खोना। थोड़ा-थोड़ा समय जरूर निकालना स्वयं से प्रेम का। भावी जीवन का एक सत्य हमेशा याद रखना की लोग तुम्हारे साथ तभी खड़े होगे जब तुम उनके अनुरूप होगी। तुम्हारी तारीफ तभी करेंगे जब उनके अनुरूप तुम्हारा व्यवहार होगा। तुम लोगों से नहीं हो लोग तुमसे है। बदलते परिवेश में तुम्हें अपने स्वास्थ्य की ओर जागरूक होना होगा। जमाने के पैमाने पर खुद को कभी मत तौलना, अपनी हँसी को कभी उपेक्षित मत होने देना, बढ़ते समय चक्र में आसान नहीं होगा खुद को सजाना-सँवारना, हजारो कामों से फुर्सत पा लेना, रिश्तों की बागवानी में प्रेम की अभिव्यक्ति के पल, पर कभी भी असंवाद की स्थिति मत आने देना। सच्चा प्रेम चेहरे से नहीं बल्कि प्यार करने वाले दिल से होता है। बढ़ती उम्र की यही महत्वपूर्ण एक सच्चाई है।

हमारे रिश्ते की डोर भी समय के साथ घिसेगी, पर कई अनुभव और खट्टी-मीठी यादों के साथ ओर भी उजली और चमचमाएगी। यह संवाद केशव ने राधा से उसे भविष्य की परिस्थितियों से जूझने, सच्चाई को स्वीकार करने और उसे मुस्कान के साथ भावी जीवन की यात्रा को तय करने के लिए किया। इस लघुकथा से यह शिक्षा मिलती है की वैवाहिक बंधन में समय के साथ कई सारे परिवर्तन आते रहते है। हमें जीवन की सच्चाई को गहराई से अनुभव करना होता है। हर स्थिति उतनी सहज और सरल नहीं होती जितनी वह हमेशा दिखाई देती है। इसलिए हमें अपनी मानसिक दृढ़ता को समय-समय पर बलवान करना जरूरी है। केशव का राधा को यह संवाद जो भावनात्मक मजबूती देने वाला था वह भी वैवाहिक वर्षगाँठ का एक अनूठा उपहार था। 05मार्च / ईएमएस

दैनिक पंचांग

06 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

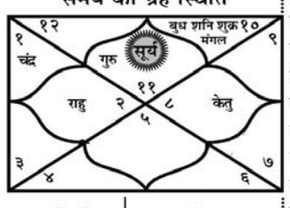

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.47 बजे से
चंद्र	मेष में	मेष	08.18 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.58 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	11.56 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.10 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.26 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.38 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.48 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.03 ब.से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		धनु	01.19 बजे से
		मकर	03.24 बजे से
		कुंभ	05.11 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 65 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 21.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 03.51 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ब्रह्म 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **करण** वणिज 08.49 बजे तदनन्तर विष्टि 21.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 46'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871179
जूलियन दिन 2459644.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

क्षमा की मनोवैज्ञानिकता

(क्षमा रविवार)

क्षमा, एक मनोवैज्ञानिक अर्थ में, जानबूझकर और स्वैच्छिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति जो शुरू में पीड़ित महसूस कर सकता है, किसी दिए गए अपराध के बारे में भावनाओं और दृष्टिकोण में बदलाव से गुजरता है, और जीत जाता है

क्षमा आक्रोश या क्रोध की मुक्ति है। क्षमा का अर्थ मेल-मिलाप नहीं है। किसी को उसी रिश्ते में लौटने या अपराधी से वही हानिकारक व्यवहार स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है।

पीड़ित लोगों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्षमा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह लोगों को भावनात्मक रूप से किसी अन्याय या आघात में उलझाए रखने के बजाय आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। क्षमा को मूड को बढ़ाने, आशावाद को बढ़ाने और क्रोध, तनाव, चिंता और अवसाद से बचाने के लिए दिखाया गया है।

हालांकि, ऐसे परिदृश्य हैं जिनमें क्षमा किसी व्यक्ति विशेष के लिए सबसे अच्छा तरीका नहीं है। कभी-कभी यौन शोषण का शिकार अधिक सशक्त हो जाता है जब वे खुद को क्षमा न करने की अनुमति देते हैं।

किसी को माफ कैसे करें जिसने आपको गलत किया है

क्षमा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर तब जब आपत्तिजनक पक्ष या तो एक निष्ठाहीन माफी या कुछ भी नहीं पेश करता है। हालाँकि, यह अक्सर स्वास्थ्यप्रद मार्ग होता है।

मनोवैज्ञानिक रॉबर्ट एनराइट द्वारा प्रस्तुत एक प्रमुख मॉडल, क्षमा के चार चरणों को चित्रित करता है। पहला यह है कि आपने भावनाओं से कैसे बचा या संबोधित किया है, इसकी खोज करके अपने क्रोध को उजागर करें। दूसरा है क्षमा करने का निर्णय लेना। यह स्वीकार करके शुरू करें कि अपराध को अनदेखा करना या उसका सामना करना काम नहीं आया है, और इसलिए क्षमा आगे बढ़ने का मार्ग प्रदान कर सकती है।

तीसरा, अपराधी के लिए करुणा विकसित करके क्षमा की खेती करें। इस बात पर विचार करें कि क्या यह कार्य अपराधी के जीवन में दुर्भावनापूर्ण इरादे या परिस्थितियों के कारण हुआ था। अंत में, हानिकारक भावनाओं को छोड़ दें और इस पर चिंतन करें कि आप अनुभव और क्षमा के कार्य से कैसे विकसित हुए हैं।

मैं नाराजगी को कैसे दूर करूं?

असंतोष कभी-कभी वर्षों तक बना रह सकता है, भले ही हमें लगता है कि हम ठआगे बढ़ गएठ या ठइसके बारे में भूल गएठ आक्रोश को दूर करने के लिए, इस बात पर चिंतन करें कि व्यक्ति ने अपराध क्यों किया है, दर्द के साथ बैठें, और फिर दूसरे व्यक्ति को क्षमा करने का प्रयास करें, क्योंकि क्षमा शक्ति की भावना पैदा कर सकती है जो कड़वाहट पर हावी हो जाती है।

मुझे धोखा देने के लिए मैं अपने साथी को कैसे क्षमा करूँ?

किसी अफेयर को माफ करने का निर्णय गहरा व्यक्तिगत होता है। एक प्रमुख घटक उस साथी के लिए है जिसका संबंध उस क्षण से पूरी तरह से पारदर्शी और ईमानदार होना था ताकि रिश्ते में विश्वास का पुनर्निर्माण किया जा सके। इसमें अंतर्निहित समस्याओं को दूर करने और भविष्य में बेवफाई को रोकने के लिए संबंध के कारणों की खोज करना शामिल हो सकता है।

अपने आप को कैसे क्षमा करें

दूसरे को क्षमा करना एक बात है, लेकिन जब हम स्वयं अपराध करते हैं तो क्या होता है? गलतियों की जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण है, लेकिन लंबे समय में गहन अपराधबोध और शर्म एक उत्पादक परिणाम नहीं हैं।

आत्म-क्षमा की प्रक्रिया एक दर्दनाक चुनौती हो सकती है लेकिन गहराई से मूल्यवान है। इस प्रक्रिया की कुंजी किसी की गलतियों को स्वीकार करना, यह समझना कि वे क्यों हुईं, और स्थिति को सुधारने में मदद करना।

पिछली गलतियों के लिए मैं खुद को कैसे माफ करूं?

यह स्वीकार करते हुए शुरू करें कि आप गलती पर हैं और आपके द्वारा की गई चोट की जिम्मेदारी लेते हैं। इस बात पर चिंतन करें कि घटना क्यों हुई और भविष्य में इसी तरह के अपराध से बचने के तरीके की पहचान करें। फिर विचार पर ध्यान केंद्रित करके, उसे ज़ोर से बोलकर या लिखकर स्वयं को क्षमा करें। जिस व्यक्ति के साथ आपने अन्याय किया है उससे माफी मांगें और उनके जीवन को सार्थक तरीके से सुधारने का प्रयास करें।

आत्म-क्षमा करना इतना कठिन क्यों है?

गलतियाँ अक्सर अपने बारे में अंतर्निहित मान्यताओं से जुड़ी होती हैं, जैसे ठमैं हमेशा गलत बातें कहता हूँठ या ठमैं अपने बिलों को कभी भी कवर नहीं कर पाऊँगाठ आत्म-क्षमा के लिए इन विश्वासों को पहले पहचानने और संबोधित करने की आवश्यकता हो सकती है। यह नुकसान और अन्य आत्म-क्षमा को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनाते हैं।

क्षमा के लाभ

क्षमा और क्षमा चिकित्सा को खुशी, आशा और आशावाद की अधिक भावनाओं से जोड़ा गया है। क्षमा की प्रक्रिया चिंता और अवसाद और अभिघातज के बाद के तनाव विकार जैसी गंभीर स्थितियों से भी रक्षा कर सकती है। यह अधिनियम हृदय रोगियों को उनके रक्तचाप को काफी कम करके लाभान्वित करने के लिए भी दिखाया गया था।

मुझे क्षमा करने के लिए कहा गया है ठमेरे अपने भले के लिए?ठ क्यों?

जब भी व्यक्ति के दिमाग में आता है, तो क्रोध और आक्रोश शरीर को कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे तनाव हार्मोन जारी करने की ओर ले जाता है। उन रसायनों की एक स्थिर धारा तनाव और चिंता के साथ-साथ रचनात्मकता और समस्या समाधान को कम कर सकती है।

क्षमा के भावनात्मक लाभ क्या हैं?

क्षमा कई सकारात्मक मनोवैज्ञानिक विकास प्रदान करती है, जैसे अस्वस्थ क्रोध को कम करना, संभावित मूल्यवान संबंधों की मरम्मत करना, एक व्यक्ति के रूप में विकसित होना, और अपने आप में अच्छाई का प्रयोग करना, चाहे कोई भी प्रतिक्रिया क्यों न हो। व्यक्तिगत लाभों के अलावा, दूसरों के लिए क्षमा की मॉडलिंग करने से अंतर-पीढ़ीगत और यहां तक कि सामाजिक सुधार भी हो सकता है।

क्या क्षमा अवसाद को कम करने में मदद कर सकती है?

क्षमा चिकित्सा रोगियों को अन्याय और भावनात्मक दर्द का सामना करने के लिए कहती है, और फिर अस्वस्थ क्रोध को हल करने के लिए क्षमा की दिशा में काम करती है। यह थेरेपी, दवा या संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी के संयोजन में, अवसाद के इलाज में मदद कर सकती है।

इस्लाम सिखाता है कि अल्लाह अल-गफ्फूर ठद प्रायः क्षमाशीलठ है, और सभी क्षमा का मूल स्रोत है (घुफरान ???)। पश्चाताप के साथ अल्लाह से क्षमा मांगना एक गुण है।

(...) जो बीत गया उसे अल्लाह माफ कर देता है: पुनरावृत्ति के लिए अल्लाह उससे दंड वसूल करेगा। क्योंकि अल्लाह महान है, और प्रतिशोध का प्रभु है। –कुरान 5:95

जैन दर्शन में

खामेमी सव्वा-जीवे सावि जिवे खमंतु मे/

मेट्टी में सव्वा-भेसु, वेरां मेजा न केशवी

(मैं सभी प्राणियों से क्षमा मांगता हूं, सभी प्राणी मुझे क्षमा करें।

मैं सभी प्राणियों के साथ मित्रता और किसी से शत्रुता नहीं रख सकता।)

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

रूस-यूक्रेन युद्ध

भारत की अग्निपरीक्षा का समाधान केवल पंचशील में ही है....!

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस महायुद्ध के दौरान हमारा भारत भी एक अग्निपरीक्षा के दौर से गुजरने को मजबूर है, यह अगिनपरीक्षा ऐसे नाजुक मौके पर भारत की भूमिका को लेकर है, एक और हम जहां हमारे रूस के साथ मधुर सम्बंधों के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ में हुए मतदान से अपने आपको अलग रख रहे है, वहीं दूसरी ओर संकट के इस दौर में यूक्रेन के राष्ट्रपति द्वारा हमसे मांगी जा रही मद्द भी पूरी नहीं कर पा रहे है, हमारी दुविधा यही है कि पिछले छः दशक से हमारी विदेश नीति ही तटस्थता की है तो अब हम मौजूदा दौर में किसी एक देश की मद्द कैसे करें? इस दौर में सबको साथ रहना तथा सबका सहयोगी बने रहना ही हमारी वास्तविक ''अग्निपरीक्षा'' है, जिसे हम महसूस कर रहे है।

हमारे देश की आजादी के बाद हमारे प्रथम प्रधानंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने काफी सोच-समझ कर दूरदर्शी पंचशील योजना तैयार की थी और उसे लागू किया था। इस पंचशील योजना के मुख्य आधार गुट निरपेक्षता (तटस्थता) और धर्म निरपेक्षता थे। भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में भी पंचशील सिद्धांत जारी रहे और उनका पालन भी किया गया। किंतु डॉ. मनमोहन सिंह की दस वर्षिय कांग्रेसी सरकार के बाद जब 2014 में नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार पदारूढ़ हुई तब छः दशकों से देश को मार्गदर्शन देने वाले पंचशील सिद्धांतों को अमान्य कर उन्हें कचरे की टोकरी में डाल दिया गया और अपनी नीतियाँ तय कर ली गई, किंतु मोदी जी को क्या पता था कि उन्हें अगले कुछ ही वर्षों में उसी पंचशील सिद्धांत पत्र का सहारा लेकर अपनी साख बनाये रखने को मजबूर होना पड़ेगा? और वह समय अब आ गया जब यूक्रेन को लेकर विश्व की दो महान शक्तियाँ रूस और अमेरिका आमने-सामने है और दोनो की महाशक्तियाँ भारत से हर तरह के समर्थन व सहायता की अपेक्षा रख रही है। अब भारत सरकार की दुविधा यह है कि न तो वह छः दशक पुराने भारत-रूस के सम्बंधों को कोई क्षति पहुंचा सकती है और न मोदी जी अपने परमप्रिय मित्र और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडेन को नाराज कर सकते है, इस दुविधा से उभरने का एकमात्र मार्ग पंचशील सिद्धांत के 'गुट-निरपेक्ष' सिद्धांत में ही निहित है, जिसका सहारा अब लेने को मोदी जी मजबूर है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर जहां रूस अपने पुराने सम्बंधों का हवाला देकर हमसे हर तरह के सहयोग व समर्थन की अपेक्षा कर रहा है, वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति अपने देश में एक लाख हमलावर घुस आने का हवाला देकर मोदी जी से हथियार व सैनिकों की मांग कर रहे है। अब चूंकि घोषित रूप से अमेरिका-यूक्रेन का संरक्षक देश है तो यूक्रेन के राष्ट्रपति की सहायता की गुहार भी अपना विशेष महत्व रखती है। रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्रसंघ में लाये गए निंदा प्रस्ताव पर हमने अपना मत जाहिर नहीं कर रूस के प्रति अपना समर्थन जाहिर तो कर दिया किंतु अब यूक्रेन के राष्ट्रपति को सहायता का प्रश्न का उत्तर भारत खोज नहीं पा रहा है सिर्फ शांति के प्रयासों का उपदेश देकर ही सीमित रहना चाहता है, जो यूक्रेन के लिए काफी नहीं है। यद्यपि इस अग्निपरीक्षा के दौर में भारत संयम से काम लेने का प्रयास कर रहा है और हर स्थिति पर अपनी पैनी नजर रखे हुए है, किंतु उसे इस बात का भय भी है कि यदि स्थिति अधिक विस्फोटक हो गई और पूरा विश्व यदि विश्वयुद्ध की कगार पर खड़ा हो गया तब भारत की भूमिका क्या होगी? इसीलिए भारत अभी से हर तरीके से फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है।

अब इसी घटनाक्रम में एक ओर जहां हमारे देश में यूक्रेन की तर्ज पर हमारी बरसों पुरानी पाक अधिकृत कश्मीर की समस्या हल करने और पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग उठाई जा रही है, वहीं यह भी तय है कि भारत को मौजूदा दौर में भारी आर्थिक हानि उठाने को भी मजबूर होना पड़ सकता है, जिसकी कि चर्चा हमारे देश की प्रमुख बैंक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने की है, इस बैंक का कहना है कि युद्ध यदि ज्यादा खींचा गया तो भारत को एक लाख करोड़ की क्षति वहन करना पड़ सकती है। क्योंकि विश्व पहले ही महंगाई के दौर से गुजर रहा है और विदेश से आयात की जाने वाली आवश्यक सामग्री इस संकट के दौर में यदि आयात से प्रभावित रही तो हमारे देश में भीषण आर्थिक मंदी का दौर आ सकता है।

इस प्रकार यह तय है कि युद्ध यदि लंबा खींच गया तो फिर इसका दुष्प्रभाव भारत सहित दुनिया के सभी देशों पर पड़ सकता है और यदि इस युद्ध में परमाणु अस्त्रों का रूख अख्तियार कर लिया तो फिर क्या होगा? इसकी तो कल्पना करना भी भयावह होगा। इसलिए आज विश्व के सभी देशों को उकसाने की नीति छोड़ युद्ध विराम की नीति को लागू करने की ओर अग्रसर होना चाहिए और आज के दौर में हर देश को पंचशील सिद्धांत अपनाना चाहिये। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

आज का इतिहास 6 मार्च

1475 बूनिटा के विद्रोहियों ने दो महीने के संघर्ष के बाद अंगोला के दूसरे सबसे बड़े शहर हुआम्बो पर कब्जा किया.

1475 इतालवी चित्रकार माइकल एंजेलो का जन्म.

1775 रघुनाथराव और अंग्रेजों के बीच सूरत संधि हुई.

1915 गांधीजी और रवीन्द्र नाथ टैगोर की पहली मुलाकात शांति निकेतन में हुई .

1922 अमरीका ने चीन को हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया.

1945 द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर पर अमरीकी सेना का कब्जा.

1946 फ्रांस ने वियतनाम को मान्यता प्रदान की.

1953 जीएम मालेनकोव ने स्टालिन के स्थान पर सोवियत संघ के प्रधानमंत्री का पद संभाला.

1957 ब्रिटेन के दो पूर्व उपनिवेशों गोल्ड कोस्ट और टोमोलैंड को मिलाकर घाना बना.

1962 अमरीका ने कम्युनिस्ट आक्रमण के खिलाफ थाईलैंड की रक्षा का संकल्प लिया.

1988 हजारों तिब्बतियों ने आजादी की मांग करते हुए ल्हासा में जगह जगह आग लगाई.

1990 अफगानिस्तान में नजीबुल्ला सरकार को पलटने की साजिश.

1992 तुर्की को कोजलु कोयला खान में फंसे 148 श्रमिकों के बचने की उम्मीद अधिकारियों ने छोड़ दी.

2002 लखनऊ में सपा विधायक की राजभवन के सामने गोली मारक दिनदहाड़े हत्या.

2003 हिमाचल प्रदेश में वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.

2007 बढ़ते साइबर क्राइम एवं बाल अपराध को रोकने के उद्देश्य से चीन ने वर्ष 2007 से नए साइबर कैफे खोलने पर रोक लगाई.

पतन के कगार पर यूक्रेन

यूक्रेन की राजधानी कीव के गिरने में अब ज्यादा देर नहीं लगेगी। बस, एक-दो दिन की बात है। कीव पर कब्जा होते ही यूक्रेन के राष्ट्रपति झेलेंस्की भी अर्न्तध्यान हो जाएंगे। नाटो और अमेरिका अपना जबानी जमा-खर्च करते रह जाएंगे। नाटो के महासचिव ने तो साफ-साफ कह दिया है कि वे रूस के साथ युद्ध नहीं लड़ना चाहते हैं। फ्रांस और जर्मनी की भी बोलती बंद है। झेलेंस्की ने नाटो की नपुंसकता पर पहली बार मुंह खोला है। यह उनकी अपरिपक्वता ही है कि उन्होंने नाटो पर अंधविश्वास किया और उसके उकसावे में आकर रूसी हमला अपने पर करवा लिया। अमेरिका ने रूस पर चार-पांच नए प्रतिबंध भी घोषित कर दिए हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों में चल रहे रूसी सेठों के करोड़ों डॉलरों के खातों को जब्त कर लिया गया है। जो बाइडन से कोई पूछे कि क्या इसके डर के मारे पूतिन अपना हमला रोक देंगे? क्या रूसी फौजें कीव के दरवाजे से वापस लौट जाएंगी? यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए भेजी गई झेलेंस्की की औपचारिक अर्जी को आए हुए तीन-चार दिन हो गए। अभी तक उस पर यूरोपीय संघ खर्राटे क्यों खींचे हुआ है? यूरोपीय राष्ट्रों ने यूक्रेन के परमाणु संयंत्र पर रूसी हमले की खबर को बढ़ा-चढ़ाकर इतना फैलाया कि सारी दुनिया में सनसनी फैल गई लेकिन अभी तक कोई परमाणु प्रदूषण नहीं फैला। 1986 में चेर्नोबिल की तरह मौत की कोई लहर नहीं उठी। मास्को ने स्पष्ट किया कि नाटो ने यह झूठी खबर इसलिए फैला दी थी कि रूस को फिजूल बदनाम किया जाए। रूस ने झापोरीझजिया के परमाणु संयंत्र पर कब्जा जरुर कर लिया है। यह असंभव नहीं कि वह यूक्रेन में बिजली की सप्लाय पर रोक लगाकर सारे देश में अंधेरा फैला दे। अफवाहें ये भी हैं कि झेलेंस्की अमेरिका राजदूतावास में जाकर छिप गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार परिषद में फिर से रूस की भर्त्सना का प्रस्ताव पारित हो गया है। भारत ने फिर परिवर्जन (एब्सटेन) किया है लेकिन सिर्फ तटस्थ रहना काफी नहीं है। तटस्थ तो तुर्की भी है लेकिन वह मध्यस्थता की कोशिश भी कर रहा है। मध्यस्थता तो बहुत अच्छा बहाना भी है, अपनी तटस्थता को सही सिद्ध करने के लिए। यदि हम सिर्फ तटस्थ रहते हैं और साथ में निष्क्रिय भी रहते हैं तो यह तो घोर स्वार्थी और डरपोक राष्ट्र होने का प्रमाण-पत्र भी अपने आप बन जाएगा। भारत की कूटनीति में भव्यता और गरिमा का समावेश होना बहुत जरुरी है। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7217

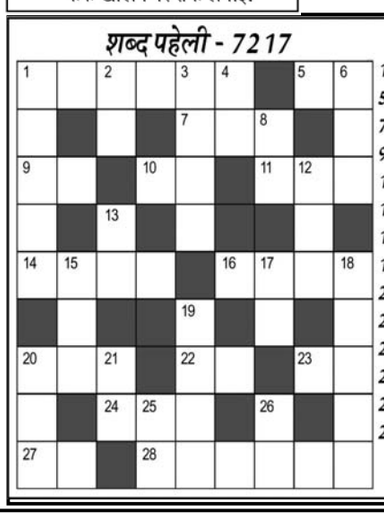

बाएँ से दाएँ

1.परिचय,जानना-2,4
5.वायु रोग-2
7.उत्साह,जिज्ञासा
9.कांटा,शूल
10.पिता,साधू-2
11.योद्धा जाति,राजपूत-3
14.थकान-4
16.मिसाल के तौर पर-4
20.ध्वजा,पताका-3
22.सीमा,बार्डर-2
23.बुरी आदत-2
24.समस्या,मुद्दा-3
27.जोर,दम,ताकत-2
28.दिखावटीपन, आडंबर,-3,3

ऊपर से नीचे

1.सीतापति,रामचंद्र-5
2.लम्हा,क्षण-2
3.धोखेबाज,दगाबाज-4
4.नलका,टौंटी-2
6.पुत्र,लड़का-3
8.कमरा,रूम-2
12.तीनों काल-3
13.पार्थिव शरीर,लाश-2
15.कजरा,अंजन-3
17.सच्चाई,सच-2
18.सेंधमार-5
19.पुचकारना,हाथ फेरना-4
20.धोखा,दगा-3
21.जरा,थोड़ा-2
25.सभी,संपूर्ण-2
26.राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -7216 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

रोहित ने रवींद्र जडेजा को दोहरा शतक लगाने से रोका

फैंस कह रहे कोच राहुल द्रविड़ ने कहा होगा

माहोली (ईएमएस)। भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली में पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है। टीम इंडिया ने पहली पारी में 574 रनों का पहाड़ सा स्कोर बना दिया है, इसमें ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शानदार 175 रनों की पारी खेली। भारत ने जब अपनी पारी घोषित की, तब जडेजा नाबाद थे। इसके बाद फैंस सवाल कर रहे हैं कि कप्तान रोहित शर्मा ने रवींद्र जडेजा को दोहरा शतक पूरा नहीं करने दिया गया।

दरअसल, दूसरे दिन टी से ठीक पहले जब कुछ ही ओवर बचे थे, तब कप्तान रोहित शर्मा ड्रेसिंग रूम से निकलकर बाउंड्री के पास आए। वहां बैठे कुलदीप यादव सहित अन्य प्लेयर्स को पारी घोषित करने का मैसेज दिया, ताकि वह ग्राउंड में जाकर रवींद्र जडेजा और मोहम्मद शमी को संदेश दे दें। लेकिन इसके कुछ देर बाद ही रोहित शर्मा ने खुद पारी घोषित करने का इशारा कर दिया।

जब पारी घोषित हुई, तब रवींद्र जडेजा 175 रनों पर नाबाद थे और तेजी से रन बटोर रहे थे। शतक जड़ने के बाद रवींद्र जडेजा ने अपनी रफ्तार बढ़ाकर तेजी से रन बटोरे थे। इसकारण फैंस को लगा कि अगर रवींद्र जडेजा को कुछ और ओवर मिलते, तब वह अपने करियर का पहला दोहरा शतक जड़ सकते थे।

जब ऐसा हुआ तब फैंस को कोच राहुल द्रविड़ याद आए, जो पहले भी इसी तरह के फैसले को लेकर विवादों में रह चुके हैं। राहुल द्रविड़ जब टीम इंडिया के कप्तान थे, अब टीम इंडिया के हेड कोच है। पाकिस्तान के खिलाफ 2004 में जब मुल्तान में सचिन तेंदुलकर 194 पर नाबाद थे, तब राहुल द्रविड़ ने पारी घोषित कर दी थी। हर कोई उस वक्त हैरान था और ये एक बड़े विवाद की वजह बना था।

आज जब राहुल द्रविड़ टीम इंडिया के कोच हैं, तब कप्तान रोहित शर्मा ने रवींद्र जडेजा को लेकर यह फैसला लेकर लोगों को फिर पुराने किस्से की याद आई।कई तरह के मीम्स बने कि यह भी कोच राहुल द्रविड़ का ही फैसला रहा होगा।

बोपन्ना-शरण ने भारत को अजेय बढ़त दिलाकर विश्व ग्रुप एक में बनाए रखा

नई दिल्ली (ईएमएस)। रोहन बोपन्ना और दिविज शरण ने तीन मैच प्वाइंट बचाकर शनिवार को डेनमार्क के फ्रेडरिक नीलसन और मिकेल टॉरपेगार्ड की जोड़ी को हराकर भारत को प्लेऑफ मुकाबले में 3-0 से अजे

एफएसएसएआई करेगा पैकेट बंद उत्पादों की हेल्थ रेटिंग

-पता चल जाएगा सेहत के लिए कितना हानिकारक है फूड

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में अब जल्द ही पैकेट बंद खाने की रेटिंग शुरू होगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण सभी पैकेट बंद उत्पादों की हेल्थ रेटिंग करेगा, ताकि उपभोक्ता को देखते ही पता चल जाए कि उसका खरीदा उत्पाद सेहत के लिए कितना हानिकारक है।

प्राधिकरण के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हेल्थ स्टार रेटिंग का मकसद उपभोक्ताओं को हेल्दी खाने की तरफ लाना है, ताकि खराब जीवनशैली की वजह से भारतीयों को बीमार होने से बचाया जा सके। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधिकारी ने बताया कि उत्पादों की हेल्थ रेटिंग उसमें मौजूद नमक, चीनी और वसा की मात्रा के आधार पर तय की जाएगी। इसकी जानकारी पैकेट के फ्रंट पेज पर ही दी जाएगी। यह तैयारी आईआईएम अहमदाबाद की उस शोध रिपोर्ट के बाद की जा रही है, जिसमें बताया गया था कि पैकेट के फ्रंट पेज पर जानकारी देने से उपभोक्ताओं पर ज्यादा असर पड़ेगा।

एफएसएसएआई के सीईओ अरुण सिंहल ने बताया कि आईआईएम अहमदाबाद ने देशभर के करीब 20 हजार लोगों के साथ इसका सर्वे किया और पता लगाया कि कैसे समाज को हेल्दी खाने की ओर मोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के जरिये गैर संचारी रोगों (एनसीडीएस) जैसे डाइबिटीज, बीपी आदि को रोका जा सकेगा। एफएसएसएआई ने पहले से ही उत्पादों में मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी देने का निर्देश दिया हुआ है, लेकिन कंपनियां अभी इसे पैकेट के पिछले हिस्से पर देती हैं।

आईआईएम अहमदाबाद (आईआईएम-ए) ने सुझाव दिया कि फ्रंट पेज पर जानकारियां देने से ज्यादा असर दिखेगा। ब्रिटेन, चिली, मैक्सिको, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में इसी मानक का पालन किया जाता है। बता दें कि पैकेटबंद खाने की गुणवत्ता को लेकर आम आदमी ही नहीं, सरकार भी परेशान है। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार ने ये तैयारी की है।

ग्लोबलडाटा ने भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान घटाकर 7.8 फीसदी किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। ग्लोबलडाटा ने भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया गया है। लंदन की आंकड़ा विश्लेषण और परामर्श कंपनी ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संकट के कारण तेल की कीमतों में उछाल की वजह से भारत के निर्यात पर पड़ने वाले असर का हवाला देते हुए घरेलू अर्थव्यवस्था में वृद्धि के अनुमान को कम किया है। ग्लोबलडाटा ने कहा कि अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया के कमजोर बने रहने के आसार हैं जबकि जिंसों की कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि भारतीय बैंक क्षेत्र मजबूत बना रहेगा। बयान में कहा गया ?कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संकट का भारत के निर्यात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से कच्चे माल तथा उपभोक्ता वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे। कंपनी ने कहा कि इन सभी कारणों को देखते हुए ग्लोबलडाटा ने भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के अनुमान को 0.1 प्रतिशत घटाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि 2020 में भारत के कुल आयात में यूक्रेन और रूस का संयुक्त रूप से 2.2 प्रतिशत हिस्सा था। ग्लोबलडाटा ने इसके अलावा अनुमान जताया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न भू-राजनीतिक जोखिम के कारण 2022 में भारत की मुद्रास्फीति दर 5.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जो 2021 में 5.1 प्रतिशत थी।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.425 अरब डॉलर की ?गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 1.425 बिलियन डॉलर घटकर 631.527 बिलियन डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से यह जानकारी साझा की गई। गौरतलब है कि बीते कुछ हफ्तों से इसमें लगातार कमी देखने को मिल रही थी, जिस पर 18 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में ब्रेक लगा था और विदेशी मुद्रा भंडार 2.762 अरब डॉलर बढ़कर 632.952 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने के कारण आई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एफसीए 2.228 अरब डॉलर घटकर 564.832 अरब डॉलर पर आ गईं। जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.2 करोड़ डॉलर घटकर 19.04 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 3.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.187 अरब डॉलर हो गया। हालांकि 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश के स्वर्ण भंडार में उछाल दर्ज किया गया और यह 95.8 मिलियन डॉलर बढ़कर 42.467 अरब डॉलर हो गया।

चीन ने 2022 के लिए जीडीपी लक्ष्य घटाकर 5.5 प्रतिशत किया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने शनिवार को इस साल के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लक्ष्य पिछले साल के 6.1 प्रतिशत से घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। प्रधानमंत्री ली केकियांग ने शनिवार को जीडीपी के नए लक्ष्य की घोषणा देश की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) को प्रस्तुत अपनी कार्य रिपोर्ट में की। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। चीन की अर्थव्यवस्था वर्ष 2021 में 8.1 प्रतिशत की दर से बढ़कर लगभग 18 खरब (ट्रिलियन) अमेरिकी डॉलर हो गई है। विकास की गति 2021 में सरकार के छह प्रतिशत से अधिक के लक्ष्य से काफी ऊपर रही थी। एनपीसी को प्रस्तुत अपनी कार्य रिपोर्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि चीन की 2022 में 1.1 करोड़ से अधिक नई नौकरियों का सृजन करने की योजना है।

रवींद्र जडेजा की नाबाद 175 रनों के बैदालत, श्रीलंका के खिलाफ मजबूत स्थिति में भारत

श्रीलंका ने 4 विकेट खोकर 108 रन बनाए

मोहाली (ईएमएस)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 574 रन बनाकर घोषित की। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने 4 विकेट खोकर 108 रन बनाए। अभी मेजबान टीम से पहली पारी के आधार पर 466 रन पीछे है। स्टंप्स के समय पाथुम निसांका 26 और चरित असालंका 1 रन बनाकर क्रीज पर थे।

इसके पहले श्रीलंका को दिमुथ करुणारत्ने और लाहिरु थिरिमाने ने अच्छी शुरुआत दी और 48 रन की ओपनिंग साझेदारी की। तभी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साझेदारी को तोड़ दिया। उन्होंने थिरिमाने (17) को पगबधा आउट कर दिया। मैच में टीम की कप्तानी संभाल रहे करुणारत्ने को फिर रवींद्र जडेजा ने पवेलियन की राह दिखाई, जिससे स्कोर 2 विकेट पर 59 रन हो गया। करुणारत्ने ने 71 गेंद खेलीं और 5 चौकों की मदद से 28 रन बनाए। एंजेलो मैथ्यूज (22) को जसप्रीत बुमराह ने अपना शिकार बनाया। जिसके बाद अश्विन ने धनंजय डि सिल्वा (1) को पगबधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। निसांका हालांकि एक छोर पर जमे रहे और 26 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इसके पहले रवींद्र जडेजा ने खुद को देश का शीर्ष ऑलराउंडर साबित करते हुए नाबाद 175 रन की बड़ी पारी खेली, जिससे भारत 570 का स्कोर भी पार कर गया। जडेजा ने 228 गेंदों का सामना कर 175 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने अपने टेस्ट करियर का दूसरा शतक जड़ा। जडेजा ने अपनी पारी में 17 चौके और 3 छक्के लगाकर श्रीलंकाई आक्रमण को बौना साबित कर दिया।

जडेजा के लिए यह शतक काफी मायने रखता है, क्योंकि घुटने की चोट के कारण वह इस सीजन में 4 टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाए थे। जडेजा और रविचंद्रन अश्विन (82 गेंदों पर 61 रन) ने 7वें विकेट के लिए 130 रन जोड़े जिससे श्रीलंका की वापसी की संभावनाओं को भी करारा झटका लगा। अश्विन ने उपमहाद्वीप की पिचों पर बल्लेबाजी में अपना अच्छा रिकॉर्ड बरकरार रखकर 12वां अर्धशतक जमा दिया।

इन दोनों के शानदार प्रयास से भारत ने पहले सत्र में 27 ओवरों में 111 रन जोड़े। दूसरे सेशन में मोहम्मद शमी (34 गेंदों पर नाबाद 20) ने जडेजा का अच्छा साथ दिया। इन दोनों ने 9वें विकेट के लिए 103 रन की अटूट साझेदारी की, इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा ने पारी समाप्त करने की घोषणा कर दी।

श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने रक्षात्मक फील्डिंग सजाई जिससे पता लगता है कि उनकी टीम किस तरह से दबाव में है। इसका असर यह हुआ कि जडेजा और अश्विन ने आसानी से 1-2 रन बटोरे और बीच-बीच में बाउंड्री भी लगाईं। श्रीलंका को आखिर में लंबे इंतजार के बाद सुरंगा लकमल ने सफलता दिलाई जिनकी शॉर्ट पिच गेंद अश्विन के दस्ताने को चूमकर विकेटकीपर निरोसन डिकवेला के पास चली गई।

अश्विन ने अपनी पारी में 8 चौके लगाए, लेकिन इससे जडेजा पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने लेसिथ एंबुलडेनिया की गेंद को कवर क्षेत्र में खेलकर 1 रन लेकर अपना शतक पूरा किया और अपने चिर परिचित अंदाज में बल्ले को तलवार की तरह घुमाकर जश्न मनाया। भारत ने फिर लंच के बाद जयंत यादव (2) का विकेट गंवाया। श्रीलंका के लिए सुरंगा लकमल, विश्वा फर्नांडो और एंबुलडेनिया ने 2-2 विकेट लिए जबकि लाहिरु कुमारा और धनंजय डि सिल्वा को 1-1 विकेट मिला।

लाखों लोगों का यूक्रेन छोड़ना सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट हो सकता है: संरा

मेदिका (ईएमएस)। यूक्रेन से लगभग 12 लाख लोग दूसरे देशों में शरण ले चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय आव्रजन संगठन ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह इस सदी का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट हो सकता है। जिम प्रशिक्षक लुदमिला सोकोल 14 मील पैदल चलकर यूक्रेन की सीमा पर पहुंचीं, जहां वह कपड़ों और अन्य निजी सामान का ढेर देखकर भावुक हो गई। यह सामान युद्ध की वजह से यूक्रेन से जाने वाले लोग छोड़ गए हैं। सोकोल ने पेरिस में अपनी एक पूर्व जिम प्रशिक्षक के घर में आसरा खोजा है। पूर्व जिम प्रशिक्षक उनके लिए दूसरी मां की तरह हैं और उनसे सबसे पहले वह बचपन में मिली थी। सोकोल ने कहा कल पता नहीं क्या होगा, लेकिन एक चीज जो मैं जानती हूं वह है कि सबकुछ ठीक होगा क्योंकि विक्टोरिया एंड्रीवाना उनके करीब हैं। संयुक्त राष्ट्र का पूर्वानुमान है कि करीब 40 लाख लोग अंततः यूक्रेन छोड़कर जा सकते हैं।

फंसा कर्ज दिसंबर तिमाही में 1.50 प्रतिशत बढ़कर 6.80 प्रतिशत पर पहुंचा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मानकों में संशोधन होने से गैर-बैंकिंग कर्जदाताओं की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) यानी फंसा कर्ज दिसंबर तिमाही में 1.50 प्रतिशत बढ़कर 6.80 प्रतिशत पर जा पहुंचा। रिपोर्ट में कहा कि आरबीआई के मानकों में अगर बदलाव नहीं हुआ रहता,तब गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के जीएनपीए में अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 0.30 प्रतिशत का सुधार दर्ज किया गया होता। हालांकि एनबीएफसी के जीएनपीए में आने वाले समय में गिरावट आने की संभावना है। वित्तीय कंपनियों के संग्रह प्रक्रियाओं में मजबूती लाने और आर्थिक गतिविधि के भी सुधरने से जीएनपीए सुधरने की उम्मीद है।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एनबीएफसी के जीएनपीए पर यह असर आरबीआई के नियमों में दो अहम बदलाव होने का नतीजा है।आरबीआई के परिपत्र ने एनपीए की गणना महीने के अंत में करने के बजाय दैनिक आधार पर करना जरूरी कर दिया। इसके अलावा एनपीए के उन्नयन में सख्ती बढ़ाने से भी असर पड़ा है। रिपोर्ट कहती है कि आरबीआई के परिपत्र का असर अलग-अलग खंडों में अलग है, और स्वर्ण ऋण खंड मजबूत बना हुआ है। वहीं वाहन वित्त खंड में इसका प्रभाव इतना अधिक था कि एनपीए पांच प्रतिशत अंक तक बढ़ गया। आरबीआई ने गत 15 फरवरी को एनपीए मानकों के निर्धारण के बारे में एक और परिपत्र जारी किया है। इसमें एनपीए मानक का क्रियान्वयन 30 सितंबर 2022 तक टालकर एनबीएफसी को अंतरिम समय देने का फैसला किया गया है। इसके लागू होने पर एनपीए की स्थिति सुधरने की उम्मीद है।

रुस-यूक्रेन संकट के बीच सोना 54,000 रुपये का स्तर छु सकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। रुस-यूक्रेन जंग की वजह से पूरी दुनिया टेंशन में है। क्रूड ऑयल से लेकर महंगाई तक नई समस्याएं सामने आ रही हैं। दुनिया भर में कमोडिटीज के भाव में भारी तेजी देखने को मिल रही है। एमसीएक्स पर सोने के भाव में मई 2021 के बाद सबसे बड़ी तेजी देखने को मिली है। शनिवार को एमसीएक्स गोल्ड प्राइस 52,549 रुपये प्रति 10 ग्राम पर नजर आ रहा है। तमाम कमोडिटी एक्सपर्ट्स का मानना है कि नियर टर्म में सोना 54,000 रुपये का स्तर छु सकता है। बाजार जानकार ने बताया कि रूस और यूक्रेन के संघर्ष ने बाजार में रिस्क सेटिमेंट को बढ़ा दिया है। लिहाजा लोग सोने में भारी निवेश करते नजर आ रहे है। गोल्ड की सुरक्षित निवेश विकल्प की अपील और ज्यादा बढ़ गई है। बढ़ते तनाव के बीच इस हफ्ते सोने की कीमतों में मई 2021 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़ोतरी देखने को मिली है।

इस बीच दूसरी कमोडिटी और कच्चे तेल की कीमतों में आए उबाल के चलते महंगाई से जुड़ी चिताएं और बढ़ गई है। इसकारण लोग महंगाई से निपटने के लिए हैजिंग रणनीति के तहत सोने में खरीदारी करते नजर आ रहे है। जानकार बताते हैं, कि हाजिर बाजार में 2022 में अब तक डॉलर के मुकाबले रुपया 2.48 फीसदी टूट गया है, जबकि 1 हफ्ते में ही यह 1.10 फीसदी टूटा है। अनुमान है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से भारत से डॉलर की निकासी में अभी और तेजी देखने को मिलेगी जिसके चलते रूपया हमें नियर टर्म में 77 के लेवल पर जाता दिख सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपये में आने वाले 1 रुपये का बदलाव सोने की प्रति 10 ग्राम की कीमत में 250-300 रुपये का बदलाव लाता है। इसके बाद रुपये की कमजोरी एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में बढ़ोतरी की एक और वजह हो सकती है।

यूरोप में बड़े 'साइबर अटैक' की आशंका, हजारों यूजर्स हुए ऑफलाइन

पेरिस (ईएमएस)। यूक्रेन में रूस की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच यूरोप में 'साइबर हमले की आशंका हैं। खबर है कि इससे कई देशों के हजारों इंटरनेट यूजर्स प्रभावित हुए हैं। सैन्य और साइबर जानकरों को डर है, कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के चलते साइबर हमलों की लहर आ सकती है, इसका असर दुनियाभर पर पड़ सकता है। आउटेज के चलते जर्मनी और मध्य यूरोप में हजारों विंड टर्बाइन भी असर पड़ा है। यूरोप में हजारों इंटरनेट यूजर्स प्रभावित हुए। सूत्रों ने है, कि यह साइबर हमला हो सकता है। रिपोर्ट में बताया कि फ्रांस में सहायक कंपनी नॉर्डनेट की तरफ से मुहैया सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के करीब 9 हजार सब्सक्राइबर्स वायासेट में 24 फरवरी को हुई एक 'साइबर घटना' के बाद इंटरनेट इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। वायासेट, एक अमेरिका सैटेलाइट ऑपरेटर है।

बिगब्लू सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ने इसकी पुष्टि की है, कि शुक्रवार को बिगब्लू के यूरोप, जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, ग्रीस, इटली और पोलैंड के 40 हजार में से एक तिहाई सब्सक्राइबर्स वायासेट में आउटेज के बाद प्रभावित हुए थे। अमेरिका में वायासेट ने कहा कि 'साइबर घटना' के चलते यूरोप में 'यूक्रेन और कुछ जगहों पर आंशिक रूप से नेटवर्क बंद हुआ था। इसके कारण उनकी केए-सेट सैटेलाइट पर निर्भर रहने वाले ग्राहक प्रभावित हुए थे।

इधर, फ्रांस के स्पेस कमांड प्रमुख ने कहा कि साइबर हमला हुआ था। उन्होंने कहा, 'अभियान शुरू होने के बाद कई दिनों तक हमारा एक सैटेलाइट नेटवर्क है, जो खासतौर से यूरोप और यूक्रेन को कवर करता है, वह साइबर अटैक का शिकार बना था। लाखों टर्मिनल अटैक के कुछ समय बाद ही निष्क्रिय हो गए थे। उन्होंने बताया कि वे वायासेट के बारे में बात कर रहे थे।

जर्मनी और मध्य यूरोप में आउटेज के कारण करीब 5800 विंड टर्बाइन ऑफलाइन हो गए थे। जर्मनी के एनरकॉन ने कहा, यूरोप में सैटेलाइट में बड़ी रुकावट के चलते फिलहाल, हजारों विंड पावर कन्वर्टर्स का दूर रहकर नियंत्रण और देखरेख एक सीमा तक ही संभव है। कंपनी ने बताया कि परेशानियां 24 फरवरी को शुरू हुई थी। उन्होंने जानकारी दी, विंड टर्बाइस को कई खतरा नहीं है। साथ ही ये ऊर्जा उत्पादन करना जारी रखेंगी, लेकिन जरूरत पड़ने पर इन्हें दूर से रीसेट नहीं किया जा सकेगा।

यूक्रेन पर रूस का हमला यूरोप और वैश्विक शांति पर हमला : बाइडेन

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस का हमला केवल यूक्रेन पर ही हमला नहीं है, बल्कि यह यूरोप और वैश्विक शांति पर भी हमला है। बाइडन ने फिनलैंड के राष्ट्रपति के साथ बातचीत के बाद कहा कि दोनों देश कुछ समय से लगातार संपर्क में हैं। बाइडन ने कहा उन्होंने मिलकर रूसियों के खिलाफ संयुक्त प्रतिक्रिया की है और यूक्रेन के खिलाफ अकारण तथा गैर उकसावे वाले आक्रमण के लिए रूस की जवाबदेही तय कर रहे हैं।

बाइडन ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में कहा और हम सहमत हैं कि यह सिर्फ यूक्रेन पर हमला नहीं है, बल्कि यूरोप की सुरक्षा और वैश्विक शांति तथा स्थिरता पर भी हमला है। इससे पहले दिन में बाइडन ने पोलैंड के राष्ट्रपति एंड्रेज डुडा से बातचीत की और रूस के यूक्रेन पर हमले के खिलाफ देशों की प्रतिक्रिया पर भी बातचीत की।

व्हाइट हाउस ने अपने एक बयान में कहा कि बाइडन ने पोलैंड की सुरक्षा और सभी नाटो सहयोगियों की रक्षा की अमेरिका की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। बयान में कहा गया है कि उन्होंने नाटो के खिलाफ रूस के किसी भी हमले को रोकने और गठबंधन की मजबूती के लिए 9,000 अमेरिकी बलों की तैनाती के लिए पोलैंड की साझेदारी का आभार जताया, जिसमें हाल के हफ्तों में वहां तैनात किए गए 4,700 अतिरिक्त जवान शामिल हैं।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ब्रसेल्स में शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ने यूरोप में अतिरिक्त 7,000 सैनिकों को भेजा है और नाटो के पूर्वी बेडे को मजबूत करने के लिए अपने बलों की तैनाती में बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि हम रूस के खिलाफ अपने कड़े आर्थिक प्रतिबंधों को और सख्त कर रहे हैं।

ब्रिक्स के एनडीबी ने रूस में सभी लेनदेन रोका

बीजिंग (ईएमएस)। ब्रिक्स देशों के बनाए गए नव विकास बैंक (एनडीबी) ने यूक्रेन संकट के बीच पैदा हुई अनिश्चितताओं और प्र?तिबंधों का हवाला देते हुए रूस में सभी नए लेनदेन पर रोक लगा दी है। एनडीबी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए रूस में नए लेनदेन को रोक दिया गया है। एनडीबी ने अपने परिचालन में पुख्ता बैंकिंग सिद्धांतों के अनुसरण का जिक्र करते हुए यह कदम उठाया है। एनडीबी ने कहा ?कि बैंक एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के तौर पर उच्चतम अनुपालन मानकों के अनुरूप पूरी शिद्दत से अपना कारोबार करना जारी रखेगा। बैंक का गठन ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह ब्रिक्स ने ढांचागत एवं टिकाऊ विकास परियोजनाओं के लिए धन जुटाने के मकसद से किया था। यह बैंक ब्रिक्स देशों के साथ अन्य उभरते विकासशील अर्थव्यवस्थाओ के लिए भी वित्त मुहैया कराता है। एक दिन पहले चीन स्थित एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) ने भी यूक्रेन संकट को देखते हुए रूस और उसके करीबी देश बेलारूस में अपनी सभी परियोजनाओं को रोकने की घोषणा की है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ऊर्जित पटेल एआईआईबी के उपाध्यक्ष (निवेश परिचालन) हैं जबकि इसके प्रमुख चीन के पूर्व वित्त मंत्री जिन लिकुन हैं। इसने रूस और बेलारूस में कई परियोजनाओं को वित्त मुहैया कराया हुआ है। एआईआईबी ने अपने बयान में कहा है कि मौजूदा हालात में बैंक की वित्तीय शुद्धता को बनाए रखने के लिए रूस और बेलारूस से संबंधित सभी गतिविधियों को स्थगित करने के साथ ही इसकी समीक्षा का निर्णय लिया गया है।

तेल उद्योग ने सरकार को दिया आश्वासन, खाने के तेल की आपूर्ति जारी रहेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने की चिंताओं के बीच खाद्य तेल उद्योग ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वह अगले दो महीनों के लिए सूरजमुखी और अन्य खाद्य तेलों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। भारत, यूक्रेन से बड़ी मात्रा में सूरजमुखी तेल का आयात करता है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में सूरजमुखी तेल समेत खाद्यतेलों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। उद्योग ने पिछले दो दिनों में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट के रुख के बारे में भी मंत्रालय को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई सरसों की फसल आने से सरसों तेल की खुदरा कीमतों में और गिरावट आ सकती है। बैठक में सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी, इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोडयूसर्स एसोसिएशन (आईवीपीए) के महासचिव एस पी कामरा और अडाणी विल्मर, रुचि सोया और मोदी नेचुरल्स सहित प्रमुख रिफाइनर और आयातकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जानकारी के मुता?बिक बैठक के दौरान, खाद्यतेल उद्योग ने मंत्री को सूचित किया कि सूरजमुखी के तेल की कोई कमी नहीं है। मार्च डिलिवरी के लिए, 1.5 लाख टन सूरजमुखी तेल की पहली खेप युद्ध से पहले ही यूक्रेन से भेजी गयी थी और जल्द ही आने की उम्मीद है। भारत में एक महीने में 18 लाख टन खाद्य तेल की खपत होती है। इसमें से सूरजमुखी तेल का हिस्सा लगभग 1.5-2.0 लाख टन है। सूरजमुखी पसंद करने वाले उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए केवल लगभग एक लाख टन सूरजमुखी तेल की आवश्यकता होती है।

यूक्रेन-रूस जंग- अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में सोमवार को पेश होंगे दोनों देश

वॉशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस युद्ध से दुनिया चिंतित है ऐसे में मॉस्को को सैन्य अभियानों को निलंबित करने का आदेश देने के लिए कीव द्वारा मांगे गए आपातकालीन उपायों पर सुनवाई में यूक्रेन और रूस सोमवार को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में आमने-सामने होंगे। वहीं रूस की कानूनी टीम के एक प्रमुख वकील एलेन पेलेट ने इस्तीफा दिया है। संयुक्त राष्ट्र न्यायालय में यूक्रेन द्वारा दर्ज कराए मामले में नरसंहार की रोकथाम पर 1948 की संधि की व्याख्या पर रूस और यूक्रेन दोनों ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। संधि में अदालत को विवादों को हल करने के लिए मंच के रूप में नामित किया गया है।

बता दें, यूक्रेन ने मुकदमे में तर्क देते हुए कहा है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि पूर्वी यूक्रेन में नरसंहार हुआ है या होगा। साथ ही यूक्रेन पर रूस के पास कार्रवाई करने का कोई वैध आधार नहीं है। वहीं दूसरी ओर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन में लोगों की रक्षा करने के लिए सैन्य कार्रवाई की गई है।

इससे पहले आईसीजे के बयान में कहा गया, 'वर्तमान में महामारी की स्थिति को देखते हुए, यह सुनावाई हाइब्रिड प्रणाली में की जाएगी। न्यायालय के कुछ सदस्य ही ग्रेट हॉल ऑफ जस्टिस में व्यक्तिगत रूप से मौखिक कार्यवाही में शामिल होंगे जबकि अन्य सदस्य वर्चुअल रूप से जुड़ेंगे।' उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के पास दोनों विकल्प हैं, वे चाहें तो सशरीर उपस्थिति दर्ज करा सकते हैं या वर्चुअल रूप से भी शामिल हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन ने 26 फरवरी को आईसीजे में एक आवेदन दायर कर रूस के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया था और न्यायालय से रूस को यूक्रेन में सभी सैन्य अभियानों को तुरंत रोकने के लिए कहने का आग्रह किया।

उत्तर कोरिया के सनकी शासक ने समुद्र में संदिग्ध बैलेस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण : दक्षिण कोरिया

सियोल (ईएमएस)। सनकी तानाशाह के नाम कुख्यात उत्तर कोरिया के शासक ने शनिवार को समुद्र में एक संदिग्ध बैलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। यह जानकारी उसके पड़ोसी देश की सेना ने दी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि उत्तर कोरिया ने राजधानी प्योंगयांग से संभावित बैलेस्टिक मिसाइल देश के पूर्वी समुद्र की ओर दागी है। यह नहीं पता चला है कि वह कितनी दूरी पर जाकर गिरी है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी जोर देकर कहा कि संभावित हाथियर बैलेस्टिक मिसाइल हो सकती है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुह हून इस परीक्षण पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की आपात बैठक करेंगे। इस परीक्षण पर अमेरिका या उसकी सेना द्वारा तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। नवीनतम परीक्षण दक्षिण कोरिया और जापान के उस दावे के करीब एक सप्ताह बाद किया गया है जिसमें कहा गया था कि उत्तर कोरिया ने रविवार को बैलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया जो करीब 300 किलोमीटर की दूरी तक और करीब 600 किलोमीटर की ऊंचाई तक गई। उत्तर कोरिया ने बाद में कहा कि उसका परीक्षण कैमरा प्रणाली के लिए था क्योंकि उसकी योजना टोही उपग्रह में उसे लगाने की है।

रहें अलर्ट, केवायसी के नाम से आए लिंक से हो सकते हैं फ्रॉड का शिकार: एसबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में बैंकिंग फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ये फ्रॉड नये तरीकों से लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक लगातार लोगों को आगाह करता रहा है। इसी क्रम में एसबीआई ने एक और ट्वीट जारी कर अपने करोड़ों ग्राहकों को केवाईसी फ्रॉड की चेतावनी दी है। बैंक ने बताया है कि केवाईसी के नाम आए एसएमएस या मेल के जरिए कैसे आप फ्रॉड का शिकार हो सकते हैं और आपकी जमा-पूंजी एक झटके में गायब हो सकती है। एसबीआई ने कहा है कि एसएमएस के जरिए अगर किसी ग्राहक के पास कोई लिंक आता है तो उस पर क्लिक ना करें। यह गलती उन पर भारी पड़ सकती है और उनके अकाउंट से पूरा पैसा निकल सकता है। यह भी कहा है कि एसबीआई के नाम पर उन्हें जो भी एसएमएस मिलता है उसको लेकर खास सावधानी बरतें। बैंक ने कहा है कि किसी भी अनजान सोर्स वाले लिंक पर जल्दबाजी में क्लिक करने से पहले कई बार सोच लें, नहीं तो आपका बैंक अकाउंट पलभर में खाली हो जाएगा। एसबीआई ने ट्वीट किया है, यहां क्ष्वायईएचडब्ल्यूआरओएनजीनंबरएचएआई केवायसी फ्रॉड का एक उदाहरण दिया गया है1 इस तरह के एसएमएस से धोखाधड़ी हो सकती है और आप अपनी बचत खो सकते हैं। एम्बेडेड लिंक्स पर क्लिक न करें। एसएमएस प्राप्त करने पर एसबीआई के सही शॉर्ट कोड की जांच करें। सतर्क रहें और बने रहें।

क्रिप्टोकरेंसी मार्केट धड़ाम, 4.49 फीसदी से ज्यादा की गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन संकट के कारण दुनिया भर के बाजार की हालत खराब है। भारी उतार-चढ़ाव से शेयर मार्केट गुजर रहा है। यही हाल क्रिप्टो मार्केट का भी है। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी मार्केट के कैपिटलाइजेशन में 4.49 फीसदी से ज्यादा की गिरावट हुई है। यह 1.75 लाख करोड़ डॉलर पर रहा है। इस अवधि में इसके ट्रेडिंग वॉल्यूम में भी 3.43 फीसदी की गिरावट देखी गई हैं, और यह 83.23 अरब डॉलर पर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस 14.08 अरब डॉलर पर रहा है, जो पिछले 24 घंटे की क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग वॉल्यूम की करीब 16.92 फीसदी होता है। इसी अवधि में स्टेबलकाइन में टोटल वॉल्यूम 69.85 अरब डॉलर रहा जो कि पिछले 24 घंटे के क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग वॉल्यूम का करीब 83.92 फीसदी होता है।

पिछले 24 घंटे के दौरान बिटकॉइन की बाजार हिस्सेदारी में 0.57 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है और यह 42.44 फीसदी पर नजर आ रही है। 5 मार्च की सुबह बिटकॉइन 39,047.24 डॉलर पर नजर आ रहा था। रूपये में देखने पर पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन 4.43

मरीजों को दूसरे शहर में उपचार के लिए ले गये

विसनगर में शादी की दावत के बाद १२२५ लोगों को फूड पॉइजनिंग

विसनगर के सवाला गांव में शादी प्रसंग में १ हजार २२५ लोगों को फूड पॉइजनिंग होने पर प्रशासन सक्रिय हुआ

मेहसाणा, ५ मार्च ।

गुजरात में पहलीबार १२५५ लोगों को फूड पॉइजनिंग हुए होने का मामला बना है । विसनगर के सवाला निकट शादी के भोजन के बाद १२२५ लोगों को फूड पॉइजनिंग हुआ है । इतनी बड़ी संख्या में पहलीबार फूड पॉइजनिंग का मामला हुआ है । पीड़ितों को मेहसाणा, विसनगर और वडनगर की अस्पताल में भर्ती किया गया है । मेहसाणा में बड़ी संख्या में फूड पॉइजनिंग का असर का मामला सामने आया है । विसनगर के सवाला निकट शादी प्रसंग में १ हजार २२५ लोगों को फूड पॉइजनिंग हुआ है । शादी प्रसंग में भोजन लेने वाले लोगों को बाद में फूड पॉइजनिंग की असर हुई थी । वजीर पठाण नाम के शख्स के घर पर शादी प्रसंग था । शादी प्रसंग में विशेष नॉनवेज खाना लोगों के लिए भोजन समारोह आयोजित किया गया था । जहां एक साथ १२२५ लोगों को फूड पॉइजनिंग भागदौड़ सक्रिय हुआ था । फूड पॉइजनिंग की घटना से जिला प्रशासन सक्रिय हो गया । इस मामले के बाद जिला कलेक्टर ने मरीजों की मुलाकात की । सभी मरीजों को मेहसाणा, विसनगर और वडनगर की अस्पताल में भर्ती कराया गया । इतने लोगों को एक साथ फूड पॉइजनिंग होने पर स्वास्थ्य विभाग में भगदड़ मच गई थी । मेहसाणा कलेक्टर ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि, फिलहाल मरीजों की तबियत सुधार पर है । मरीजों को ०२७६२-२२२२२०/२२२२९९ पर संपर्क करने के लिए विनंती की गई है । शादी समारोह में जितने लोगों को फूड पॉइजनिंग की असर हुई थी, इसमें से ९५ फीसदी लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई थी । हाल में विसनगर वडनगर मेहसाणा में कुल ४० मरीज उपचार के तहत है । शादी समारोह में दिल्ली दरबार नाम के केटरर्स को भोजन बनाने के लिए ऑर्डर दिया गया था । यह दिल्ली दरबार केटरर्स मुंबई का है । केटरर्स के कर्मचारियों को भी फूड पॉइजनिंग का असर हुआ था । उन्होंने नॉनवेज खाने के बाद तबियत बिगड़ गई होने का बताया गया ।

एक ही दिन में 6 नगरों में 52.75 करोड़ के जलापूर्ति कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों और महानगरों में रहने वाले नागरिकों को नियमित रूप से पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के जनहितकारी दृष्टिकोण के साथ 1 महानगर और 5 नगरों में जलापूर्ति योजना के कुल 52.75 करोड़ रुपए के कार्यों को एक ही दिन में सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत जूनागढ़ महानगर के एक जोन तथा खंभालिया, धोराजी, झालोद, चलाला और माणसा नगर पालिका के विभिन्न जलापूर्ति कार्यों को मंजूर किया है। इन नगरों में वर्तमान आधार वर्ष के अनुसार आगामी वर्ष 2051-52 की अनुमानित आबादी की पानी की जरूरत को ध्यान में रखकर शहरी विकास विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए इन योजनाओं के प्रस्तावों को भूपेंद्र पटेल ने अनुमति दी है। जिसके अनुसार, जूनागढ़ महानगर पालिका के जोन-3 में जलापूर्ति के कार्यों के लिए 20.85 करोड़ रुपए, खंभालिया नगर पालिका के लिए 7.22 करोड़ रुपए, धोराजी के लिए 2.80 करोड़ रुपए, झालोद के लिए 14.16 करोड़ रुपए, चलाला के लिए 3.40 करोड़ रुपए और माणसा नगर पालिका के लिए 4.32 करोड़ रुपए के कार्यों की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई इस सैद्धांतिक मंजूरी के परिणामस्वरूप अब जूनागढ़ महानगर के अलावा पांच नगर पालिकाओं में जलापूर्ति के कार्यों के तहत राइजिंग मेन, ग्रेविटी मेन, वितरण व्यवस्था, वाटर संप, पंप हाउस, पंपिंग मशीनरी और भूमिगत संप के कार्य तथा नए क्षेत्रों के लिए वितरण व्यवस्था एवं भंडारण कार्यों का आयोजन किया जाएगा।

देश के इतिहास में पहली बार 21 हजार करोड़ का ड्रग्स फूंका जाएगा

अहमदाबाद (ईएमएस) मुंद्रा पोर्ट से पिछले जब्त किया गया रु. 21 हजार करोड़ का ड्रग्स आग में फूंक दिया जाएगा देश में पहली बार तीन टन जितना ड्रग्स आग के हवाले किया जाएगा कोर्ट के आदेश के बाद परीक्षण, सैम्पलिंग इत्यादि की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है और जारी महीने अंत तक ड्रग्स नष्ट कर दिए जाने की कवायद तेज कर दी गई है रु. 21000 करोड़ का ड्रग्स कच्छ जिले के मुंद्रा पोर्ट से गत सितंबर महीने में पकड़ा गया था टेल्कम पाउडर की आड में ड्रग्स का कंटेनर समुद्र के रास्ते अफगानिस्तान से मुंद्रा पोर्ट पर लाया गया था इस मामले में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था जांच के बाद ड्रग्स को स्ट्रोंग रूम में रखे जाने का फैसला किया गया लेकिन ड्रग्स की मात्रा इतनी अधिक थी कि स्ट्रोंग रूम छोटा पड़ने से बाकी ड्रग्स बीएसएफ की सुरक्षा में रखा गया था इतनी बड़ी मात्रा में पकड़े गए ड्रग्स को नष्ट करने की हरी झंडी मिल चुकी है और कोर्ट के आदेश के बाद उसका परीक्षण इत्यादि की भी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है ईसी महीने के अंत तक कच्छ जिले के गांधीधाम के निकट सरकार मान्य हैज़ड्र्स वेस्ट डिस्ट्रॉय यूनिट में ड्रग्स आग के हवाले कर दिया जाएगा

देश का पहला सौर ऊर्जा संचालित पोर्टेबल ट्रैफिक सिग्नल राजकोट में कार्यरत

राजकोट (ईएमएस) सौराष्ट्र की राजधानी माने जाते राजकोट में देश का पहला सौर ऊर्जा आधारित पोर्टेबल ट्रैफिक सिग्नल कार्यरत किया गया राजकोट के महानगर पालिका चौक में रखे गए पोर्टेबल सिग्नल को शहर ट्रैफिक पुलिस ने रोजर मोटर्स प्राइवेट कंपनी के सहयोग से तैयार किया है कंपनी ने दावा किया है कि यह सिग्नल देश का पहला पोर्टेबल सौर ऊर्जा संचालित सिग्नल है और इससे बिजली और खर्च की बचत होगी साथ ही ट्रैफिक सिग्नल पर सेवारत पुलिस जवानों को भी फायदा होगा रोजर मोटर्स कंपनी ने यह ट्रैफिक सिग्नल डेढ लाख रुपए की लागत से तैयार किया है इस सिग्नल की विशेषता यह है कि इसे कहीं भी शिफ्ट किया जा सकता है सौर ऊर्जा संचालित यह ट्रैफिक सिग्नल ऐसी जगह बेहद उपयोगी साबित होगा, जहां भीड़भाड़ और जगह कम होगी मेक इन इंडिया के कॉन्सेप्ट को सार्थ करनेवाले इस पोर्टेबल सिग्नल में सभी आवश्यक फंक्शन भी उपलब्ध है रोजर मोटर्स के संचालक कृपालसिंह जाडेजा के मुताबिक इस मॉडल को तैयार करने में चार महीने का समय लगा है कंपनी ने फिलहाल अलग अलग चार मॉडल तैयार किए है ट्रैफिक सिग्नल का फायदा ट्रैफिक सर्कल पर कार्यरत होमगार्ड और ट्रैफिक वार्डन को होगा रिमोट के जरिए ऑपरेट होने से ट्रैफिक जवान अपनी जगह बैठे बैठे इसका संचालन कर सकेंगे सौर ऊर्जा संचालित ट्रैफिक सिग्नल में सूर्य ऊर्जा का सात दिनों तक बेकअप चलेगा, जिससे बिजली की भी बचत होगी फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत राजकोट महानगर पालिका चौक में सौर ऊर्जा संचालित ट्रैफिक सिग्नल शुरू किया गया है, जिसकी सफलता के बाद शहर के अन्य सर्कलों पर भी लगाया जाएगा

पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09035/36 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बोरीवली होली स्पेशल ट्रेन अब बीकानेर तक विस्तारित

ट्रेन संख्या 09006 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस होली स्पेशल के समय में संशोधन

यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09035/36 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बोरीवली होली स्पेशल ट्रेन को बीकानेर तक विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:-

☐ ट्रेन संख्या 09035/09036 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर-बोरीवली सुपरफास्ट ड2 फेरे.

ट्रेन संख्या 09035 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 16 मार्च 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.00 बजे बीकानेर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09036 बीकानेर-बोरीवली सुपरफास्ट स्पेशल रविवार 20 मार्च, 2022 को बीकानेर से 07.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.15 बजे बोरीवली पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, महेसाणा, पाटन, भीलडी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरन, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, लूनी, भगत की कोठी, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर एवं नोखा स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09035 का बोरीवली स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09006 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल के समय में संशोधन

इस ट्रेन के समय में परिवर्तन के फलस्वरूप ट्रेन संख्या 09006 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस होली स्पेशल अब भावनगर टर्मिनस से बुधवार, 16 मार्च, 2022 को 10.10 बजे के बजाय 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.35 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 09035 की बुकिंग यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। उपरोक्त स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर पूर्णतः आरक्षित ट्रेन के रूप में चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

अहमदाबाद मंडल पर नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा सप्ताह मनाया गया

नागरिक सुरक्षा संगठन पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मंडल द्वारा दिनांक 28.02.22 से दिनांक 05.03.22 तक राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। इसी उपलक्ष्य में दिनांक 04.03.22 को गांधीनगर केपिटल रेलवे कॉलोनी में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाते हुए नागरिक सुरक्षा की विभिन्न सेवाए जैसे कि बचाव सेवा, प्राथमिक उपचार सेवा, अग्निशमन सेवा, वेल्फर सेवा, हवाई हमले के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां इत्यादि का जीवंत प्रदर्शन किया गया।

उपरोक्त प्रदर्शन श्री ए.वी.पुरोहित वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री गौरव सारस्वत सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री शक्ति सिंह राजावत ष्ठ्ठ, श्री गुरुचरण सिंह मंडल प्रभारी, नागरिक सुरक्षा संगठन अहमदाबाद मंडल के मार्गदर्शन में किया गया।

अब हेल्मेट और सीट बेल्ट नहीं लगाया तो होगी कार्यवाही, रविवार से राज्यभर में विशेष ड्राइव

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में अब हेल्मेट नहीं पहनने और सीट बेल्ट नहीं बांधने वालों की अब खैर नहीं है रविवार से गुजरात पुलिस विशेष अभियान शुरू करने जा रही है, इसके अंतर्गत हेल्मेट और सीट बेल्ट के नियमों का उल्घन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी यह विशेष अभियान राज्यभर में चलाए जाने की पुलिस को आदेश दे दिया गया है इसके अंतर्गत 6 मार्च यानी रविवार से राज्यभर में दुपहिया चालक हेल्मेट पहने बगैर या सीट बेल्ट बांधे बगैर कार समेत अन्य वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी इस संदर्भ में शहर पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर सूचना दी गई है इसी के साथ कितने चालान काटे गए हैं और कितना जुर्माना वसूला गया है, इसका ब्यौरा दूसरे 8 बजे तक भेजने का भी पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को आदेश दिया गया है गौरतलब है कि कोरोना की तीन लहरों के दौरान हेल्मेट नहीं पहनने और सीट बेल्ट बांधे बगैर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की उस दौरान केवल उन्हीं लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाती थी जिन्होंने मास्क नहीं लगाया होता था अब राज्यभर में कोरोना की तीसरी लहर भी समाप्ति की ओर है, ऐसे में ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस हरकत में आ गई है और रविवार से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर देगी गुजरात पुलिस 6 मार्च से लेकर 15 मार्च तक राज्यभर में स्पेशल ड्राइव चलाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी

वस्त्रापुर के गोयल इंटरसिटी की सामने के मंदिर की घटना

शहर के वैभव लक्ष्मी मंदिर में माताजी के गहने की चोरी

पुलिस ने संदिग्ध तत्वों को हिरासत में लेने पर कई चोरी और चेन स्नेचिंग के मामले की जानकारी सामने आने पर शिकायत

अहमदाबाद, ५ मार्च ।

वस्त्रापुर के गोयल इंटरसिटी की सामने स्थित वैभव लक्ष्मी मंदिर से माताजी के गहने की चोरी करके चोर फरार हो गये लेकिन दस दिन तक यह मामले में कोई शिकायत नहीं हुई थी ।

हालांकि शहर पुलिस ने कई संदिग्ध तत्वों को हिरासत में लेने पर कई चोरी और चेन स्नेचिंग के मामले की जानकारी सामने आने पर यह मामले में शुक्रवार को शिकायत दर्ज कराई गई है । वस्त्रापुर के गोयल इंटरसिटी के पास वैभव लक्ष्मी मंदिर में गत २२-०२-२०२२ को देर रात को चोर घुसे थे । चोरों ने मंदिर की लोहे की जाली तथा बाहर की दीवार की जाली यह दो लॉक तोड़कर माताजी की मूर्ति के पीछे रखी गई चांदी की पायल, सोना के ग्लेट का गला का सेट, माताजी के दो छत्र, एक चांदी का वेढ सहित के गहने की चोरी की थी । इस मामले में मंदिर के पूजारी ने सेवक को फोन करके जानकारी दी ।

उन्होंने स्थल पर पहुंचकर जांच करने पर उपरोक्त गहने के चोरी होने की जानकारी मिली । मंदिर के ट्रस्टी और अन्य महाराजा के साथ विचार-विमर्श करके आखिर में शिकायत करने पर लेट हुए होने का बचाव शिकायतकर्ता पूजारी ने किया है । घाटलोडिया, मेमनगर, सेटेलाइट, साइंस सिटी और वस्त्रापुर और अहमदाबाद शहर के लाखों लोगों की आस्था वैभव लक्ष्मी मंदिर और इसके ऊपर की मंजिल पर स्थित श्रीनाथजी की हवेली के साथ जुड़ी हुई है । जिसकी वजह से यह मामले में शिकायत नहीं की गई थी । शहर पुलिस की एक टीम ने फिलहाल में चोरी, लूट और वाहनचोरी के अपराधों में शामिल रहे कई तत्वों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर वैभव लक्ष्मी मंदिर की चोरी सहित कई मामलों का रहस्य खुल जाने स २९,५०० रुपये की मालसामान के माताजी के गहने की चोरी की शिकायत पूजारी पुरव पंडित द्वारा किए जाने की चर्चा लोगों में हैं ।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान, ७ मार्च को गुजशत में गिरेगी बारिश

गांधीनगर, ४ मार्च ।

वातावरण में बढ़ती गर्मी के बीच दक्षिण गुजशत के लोगों के लिए एक बुरी खबर सामने आई है । मौसम विभाग ने सात मार्च को दक्षिण गुजशत के कुछ हिस्सों में सामान्य बारिश का अनुमान जताया है ।

गैर-मौसमी बारिश का यह पूर्वानुमान दक्षिण गुजशत के किसानों के लिए बुरी खबर होगी. दक्षिण गुजशत के कुछ हिस्सों में सात मार्च को सामान्य बारिश का अनुमान है । नर्मदा, डांग, तापी में बेमौसम बारिश का पूर्वानुमान है. सामान्य बारिश के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने का भी अनुमान है. मौसम विभाग ने कहा है कि अन्य जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा ।

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, गुजशत, महाशष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मार्च में भीषण गर्मी देखने को मिलेगी । मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान ४० डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है । राजस्थान, गुजशत और महाशष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में अप्रैल और मई में भीषण गर्मी का अनुभव होगा । इसके अलावा पाकिस्तान सीमा के पास गुजशत, राजस्थान में भीषण गर्मी की वजह से नया रिकॉर्ड बना सकता है ।

विश्व की सबसे बड़ी समस्या जलवायु परिवर्तन है. भारत समेत दुनिया के लगभग सभी देश जलवायु परिवर्तन की चपेट में आ रहे हैं. अगर समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दुनिया को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा. जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से वर्ष २०३५ तक गुजरात के अहमदाबाद शहर में रहने वाले १.१० करोड़ लोगों को भीषण गर्मी के संकट का सामना करना पड़ सकता है ।

पश्चिम रेलवे के वापी यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 7 मार्च को कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

पश्चिम रेलवे के वापी यार्ड में किए जाने वाले नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 7 मार्च, 2022 को कुछ ट्रेनें निरस्त/आंशिक रूप से निरस्त/रेग्युलेटेड रहेंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

निरस्त ट्रेन:

1. ट्रेन संख्या 09154/09153 वलसाड-उमरगाम रोड मेमू स्पेशल निरस्त रहेगी ।

आंशिक रूप से निरस्त ट्रेनें:

1. ट्रेन संख्या 09159 बांद्रा टर्मिनस-वापी पैसेंजर भिलाड एवं वापी के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।
2. ट्रेन संख्या 09144 वापी-विरार शटल वापी एवं भिलाड के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

ट्रेनों का रेग्युलेशन (निम्नलिखित ट्रेनों को 35 से 40 मिनट अधिक लगेगा)

1. ट्रेन संख्या 22953 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस
2. ट्रेन संख्या 12935 बांद्रा टर्मिनस-सूरत सुपरफास्ट एक्सप्रेस
3. ट्रेन संख्या 09085 बोरीवली-वलसाड मेमू स्पेशल
4. ट्रेन संख्या 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस।
5. ट्रेन संख्या 12471 बांद्रा टर्मिनस-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा स्वराज एक्सप्रेस
6. ट्रेन संख्या 20915 लिंगमपल्ली-इंदौर हमसफर एक्सप्रेस
7. ट्रेन संख्या 12925 बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस
8. ट्रेन संख्या 22451 बांद्रा टर्मिनस-चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस
9. ट्रेन संख्या 22956 भुज-बांद्रा टर्मिनस कच्छ एक्सप्रेस
10. ट्रेन संख्या 12479 जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस सूर्यनगरी एक्सप्रेस
11. ट्रेन संख्या 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस
12. ट्रेन संख्या 12990 अजमेर-दादर सुपरफास्ट एक्सप्रेस
13. ट्रेन संख्या 22930 वडोदरा-दहानू रोड सुपरफास्ट एक्सप्रेस
14. ट्रेन संख्या 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस
15. ट्रेन संख्या 22902 उदयपुर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस
16. ट्रेन संख्या 20908 भुज-दादर सुपरफास्ट एक्सप्रेस
17. ट्रेन संख्या 12926 अमृतसर-बांद्रा टर्मिनस पश्चिम एक्सप्रेस
18. ट्रेन संख्या 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात एक्सप्रेस
19. ट्रेन संख्या 16588 बीकानेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस
20. ट्रेन संख्या 22195 वीरांगना लक्ष्मीबाई-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस

यात्री कृपया उपरोक्त परिवर्तनों को ध्यान में रखें।

आज 312 केन्द्रों पर ली जाएगी पीएसआई की परीक्षा, परीक्षा केन्द्रों पर लगेंगे जामर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में रविवार को पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली जाएगी जिसमें 96 हजार से भी अधिक उम्मीदवार परीक्षा देंगे परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता से निपटने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला किया है इसके अंतर्गत गुजरात के इतिहास में पहली बार परीक्षा केन्द्रों पर जामर लगाए जाएंगे, जिसकी वजह से मोबाइल कनेक्टिविटी बंद हो जाएगी इस संदर्भ में पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती बोर्ड के प्रमुख विकास सहाय ने पत्रकार परिषद में बताया कि रविवार, 6 मार्च 2022 को पीएसआई भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली जाएगी पीएसआई की परीक्षा के 96231 उम्मीदवारों के लिए राज्य में 312 केन्द्रों व्यवस्था की गई है 312 केन्द्रों के 3209 क्लास रूम में परीक्षा ली जाएगी और इनमें सीसीटीवी कैमरे होंगे परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता से निपटने के लिए प्रत्येक परीक्षा खंड में जामर की व्यवस्था की गई है ताकि परीक्षा के दो घंटों के दौरान मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी बंद रहे जबकि पेपर ले जानेवाले वाहनों में जीपीएस और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी विकास सहाय ने बताया कि पीएसआई परीक्षा के लिए 75 पन्नों की एक खास एसओपी जारी की गई है जिसमें परीक्षा खंड के निरीक्षक, बोर्ड और केन्द्र संचालक की क्या जिम्मेदारी है, इसकी जानकारी दी गई है एसओपी की कॉपी सभी केन्द्रों पर भेज दी गई है अहमदाबाद में पीएसआई की परीक्षा के लिए खास व्यवस्था की गई है पुलिस आयुक्त ने परीक्षा केन्द्र के आसपास की जिरोक्स की दुकानें बंद करने का आदेश दिया है साथ ही परीक्षा केन्द्र में मोबाइल या इलेक्ट्रिक गेजेट ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है इसके अलावा परीक्षा केन्द्र के आसपास 100 मीटरे के दायरे में 4 से अधिक लोगों के जमा होने पर प्रतिबंध होगा

प्लॉट हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेज बनानेवाले ४ पकड़े गये

अहमदाबाद, ५ मार्च ।

जल्दी से पैसे वाले बन जाने के लिए क्राइम किया जाता है । ऐसी ही और एक घटना अहमदाबाद में हुई होने का सामने आया है । विवाद की वजह से रुके हुए बोडकदेव में स्थित प्लॉट के फर्जी दस्तावेज बनाकर इसे बेचने का प्रयास करने वाले चार लोग पकड़े गये हैं । यह चार में एक पंच और रजिस्ट्रार पंच शामिल है कि जिसने फर्जी दस्तावेज का उपयोग करके प्लॉट बेचने का प्रयास किया था । यह मामले में वस्त्रापुर पुलिस ने चार को पकड़कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है । इस केस में जांच के दौरान अन्य कई बड़े खुलासे होने की संभावना दिखाई दे रही है । पुलिस शिकायत के अनुसार बुधालाला जवेरी ने एक रजिस्टर्ड दस्तावेज करके प्लॉट खरीदा था । उसने भागीदारी में व्यापार शुरू किया लेकिन वह विफल हो जाने पर भागीदारों में जमीन बांट दी । उसने १० फरवरी १९८७ में भागीदार नारण दंताणी को २,४ और ५ नंबर के प्लॉट दिया था । बुधालाल जवेरी का १८ अक्टूबर १९८७ में मौत हुई थी । नारण दंताणी का १९९७ में मौत हो गई उनकी घाटलोडिया में रहती बेटी वर्षा को वसियत में यह प्लॉट मिला । उसने कोर्ट के समक्ष नारण दंताणी के वैध के वारिसदार होने का दावा किया था । इस तरह इस केस में जांच करने पर मालूम हुआ कि बुधालाल ने पहले से ही यह प्लॉट किसी को २७ जनवरी १९७६ में किसी को बेच दिया है । यह सभी के बीच ऐसी जानकारी सामने आई की वर्षा ने यह प्लॉट अशोक लुहार नाम के व्यक्ति को पावर ऑफ एटर्नी पर दी थी और उसने यह सच्चाई छिपाकर रखी कि यह मामले कोर्ट में केस चल रहा है । इसके बाद जमीन हड़पने के लिए घोटाला किए जाने का कोर्ट केस के दौरान सामने आया । जिसके बाद वस्त्रापुर पुलिस इंस्पेक्टर एसजी खांबला ने वर्षा, रोहित पटेल, शाह और अशोक लुहार के खिलाफ शिकायत दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है ।

दामाद के खिलाफ फर्जी केस करके अत्याचार करने वाले ससुर पर जुर्माना

अहमदाबाद, ५ मार्च ।

दामाद पर फर्जी केस करके अत्याचार करने वाले ससुर को हाईकोर्ट ने १ लाख का जुर्माना लगाया है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार पिता ने कोर्ट में विवाहिता बेटी की सुरक्षा को लेकर फर्जी दावे पर खड़े करके बेटी को पति तथा ससुराल वालों से मुक्त करने की विनंती की थी । हालांकि, जस्टिस सोनिया गोकाणी और जस्टिस मौना भट्ट की खंडपीठ ने ढूंढ निकाला कि यह व्यक्ति कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करके अपनी बेटी को परेशान करता है, जिसमें कारण इतना ही है कि, बेटी ने पसंदगी से की शादी पिता को कबूल नहीं है । यह मामला वडोदरा जिले के पादरा तहसील का है । अर्जीकर्ता की २६ वर्ष की बेटी ने अपना घर छोड़ दिया और दो दिन के बाद ३ फरवरी २०२० को अपनी पसंदगी के युवक से शादी की । अर्जीकर्ता ने फरवरी २०२२ में हेबियस कोर्पस पीटिशन दाखिल की थी जिसमें दावा किया गया था कि इसकी बेटी को ऊंझा शहर में इसकी इच्छा के विरूद्ध हिरासत में ली गई थी और इसे मिलने की मंजूरी नहीं दी गई थी । उसने कहा कि इसे अपनी जान का डर है और इसने अपने पति और ससुराल वालों की कस्टडी से मुक्त करने के लिए कोर्ट से विनंती की थी । कोर्ट की सूचना पर महिला कोर्ट में पेश हुई और खुलासा किया कि इसकी शादी दो वर्ष पहले हुई थी, लेकिन अपने पिता का प्रतिकार चालू रहा क्योंकि उसने जो पुरूष से शादी की यह सिर्फ कक्षा १० तक ही पढ़ा है जबकि वह खुद साइंस ग्रेज्यूएट है । इसके अलावा इसके पिता को दोनों परिवारों के बीच आर्थिक असमानता की समस्या थी । इस मामले में कोई समाधान नहीं होने से उसने दावा दाखिल किया था ।

आगे की पूछताछ पर हाईकोर्ट को खबर हुई कि पिता को तुरंत ही बेटी की शादी के बारे में जानकारी दी थी और उन्होंने जून २०२० में मिले थे । हालांकि, २०२१ में इसने स्थानीय कोर्ट को अपनी बेटी के लिए सर्च वारंट जारी करने के लिए विनंती की, और कहा कि उसे शादी के लिए दबाव किया गया था और इसकी इच्छा के विरूद्ध फंसा लिया गया था । इसने कहा कि इसे डर था था कि वह मानव तस्करी का शिकार बन सकती है ।

सुरेन्द्रनगर का दिल दहला देने वाला मामला

हवसखोर द्वारा बछड़ी के साथ सृष्टि विरूद्ध का काम

जिला के गौरक्षक पुलिस स्टेशन पहुंच गये और विधर्मी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ऐसी पेशकश की थी

सुरेन्द्रनगर, ५ मार्च ।

गुजरात सहित देशभर में बच्चियों तथा छोटे बच्चों के साथ अत्याचार के मामले बढ़ रहे हैं । लेकिन आज सुरेन्द्रनगर से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने हवसखोरी की सभी हद पार कर ली है । यहां कोई महिला, बच्ची या बच्चा के साथ नहीं लेकिन मूक बछड़ी के साथ सृष्टि विरूद्ध का काम हुए होने का सामने आया है । घटना का विडियो वायरल होने पर जिला के गौरक्षक मिलकर पुलिस स्टेशन पहुंच गये और विधर्मी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ऐसी पेशकश की थी । प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेन्द्रनगर जिले के लींबडी तहसील के पाणसीणा गांव में एक विधर्मी शख्स द्वारा छोटी बछड़ी पर सृष्टि विरूद्ध का काम करता हो ऐसा विडियो वायरल होने पर खलबली मच गई है ।

घटना की जानकारी मिलने पर करीब ७ से ८ जिले से गौरक्षक पाणसीणा पुलिस स्टेशन पहुंच गये और यह काम करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए तथा केस को फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाया जाए ऐसी मांग की गई थी । हालांकि कार्रवाई नहीं हुई तो सभी गौरक्षक पूरे गुजरात में उग्र प्रदर्शन करेंगे ऐसी चेतावनी भी दी है । गौरक्षकों ने मीडिया के समक्ष बताया कि, ४ मार्च को सुरेन्द्रनगर जिले के लींबडी तहसील के पाणसीणा गांव में एक बहुत ही खराब मामला बना है । किसी हवसखोर ने गाय माता के साथ सृष्टि विरूद्ध का काम किया है जिसका विडियो वायरल हुआ था । इस घटना की जानकारी मिलने पर करीब ७ जिले के सीनियर पाणसिया पुलिस स्टेशन में पहुंच गये है । सोशल मीडिया पर अक्सर गाय माता और देवी देवताओं का अपमान और टिप्पणी की जाती है, जिसकी वजह से भविष्य की अगली पीढी में इसका बहुत ही खराब असर होगा । सीनियरों ने आगे बताया है कि, सरकार से पेशकश है कि, यह बहुत ही क्रूर घटना है । आरोपी के खिलाफ सामान्य धारा नहीं लेकिन भावना आहत होने और सृष्टि विरूद्ध का कृत्य करने की धारा लगाई जाए और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ऐसी हम सभी गौरक्षकों की मांग है ।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद मण्डल

साबरमती वर्कशॉप के अंतर्गत

विविध इंजीनियरींग कार्य

ई-निविदा सं. सीडबल्युएम-ईडबल्यु-एसबीआई-07-2021-22-R. **(i) कार्य का नाम:** इंजीनियरींग वर्कशॉप, कालीगाम के पास, साबरमती, पश्चिम रेलवे के अंतर्गत विभिन्न स्पान्स के वेल्डेड प्लेट गर्डर (WPG)/कम्पोज़िट वेल्डेड प्लेट गर्डर (CWPG) का ट्रायल एसेम्बली/डिस्मेन्टर्लीग एवं स्टील प्लेट्स की विभिन्न साईज़ीस हेतु प्लाझमा/ऑक्सिएसीटीलीन टोर्च के इस्तमाल द्वारा CNC प्लाझमा कर्टींग मशीन द्वारा कर्टींग एवं अन्य संलग्न कार्य। **स्थान:** मुख्य वर्कशॉप प्रबंधक का कार्यालय, इंजीनियरींग वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, पोस्ट-दीघ्विज